# Vedic Mathemmaics, Sciemee \& Techmology course 

PART - VI
CONCLUSION
(Chase steps 101)

## Chase Step - 101 <br> CHASE STEPS CONCLUSIONS

## Conclusion

## 1 <br> General

1. Present course introduces transcendental domains as manifested 5space content.
2. 5-space content as manifested domain plays the role of domain fold of hyper cube 5 .
3. Transcendental domains, as such permit chase in terms of a measuring rod synthesized by hyper cubes 1 to 5 .
4. Transcendental domains, as well permit chase as a transcendence range of five folds (dimension fold, boundary fold, domain fold, origin fold, base fold)
5. Parallely chase can be had in terms of transcendence ranges of artifices ' $n, n+2, n+2, n+3, n+4$ '.
6. Five different roles of 5 -space (content) permit depiction along $5 \times 5$ format as under

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |

7. The general expression for five different roles for transcendence ranges along $5 \times 5$ format comes to be

$$
\begin{array}{lllll}
\mathrm{n} & \mathrm{n}+1 & \mathrm{n}+2 & \mathrm{n}+3 & \mathrm{n}+4 \\
\mathrm{n}+1 & \mathrm{n}+2 & \mathrm{n}+3 & \mathrm{n}+4 & \mathrm{n}+5 \\
\mathrm{n}+2 & \mathrm{n}+3 & \mathrm{n}+4 & \mathrm{n}+5 & \mathrm{n}+6 \\
\mathrm{n}+3 & \mathrm{n}+4 & \mathrm{n}+5 & \mathrm{n}+6 & \mathrm{n}+7 \\
\mathrm{n}+4 & \mathrm{n}+5 & \mathrm{n}+6 & \mathrm{n}+7 & \mathrm{n}+8
\end{array}
$$

8. Transcendental domains ' 5 -space' as domain being of solid dimensional order and as such $\mathrm{n}=3$ shall be leading us to following expression format

|  |  |  |  | summation value |  |  |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :---: |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | $3+4+5+6+7$ | $=25$ |  |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | $4+5+6+7+8$ | $=30$ |  |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | $5+6+7+8+9$ | $=35$ |  |
| 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | $6+7+8+9+10$ | $=40$ |  |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | $7+8+9+10+11$ | $=45$ |  |

Grand summation value $25+30+35+40+45=175$
9. NVF (Consciousness) $=175=$ NVF (Transcendental area)
10. One may have a pause here and permit the transcending mind to glimpse 'transcendental area' s 'consciousness'
11. Further it would be blissful to be face to face with the features of transcendental domain ' $s$ '.
12. It would be blissful to chase the following NVF equations
i. NVF (transcendence) $=125=$ NVF (manifesting) $=$ NVF (transcend half)
ii. $\quad$ NVF $($ transcendental $)=150=$ NVF $($ transcendence area $)=$ NVF (manifesting area).
iii. NVF (consciousness) $=175=\mathrm{NVF}$ (transcendental area)
iv. NVF $($ transcendental domain $)=\mathrm{NVF}($ transcendental light $)=$ NVF (transcendental cube area)
v. NVF (transcendental domains) = NVF (transcendental series)
13. The expression value of $5 \times 5$ matrix format for transcendental ranges for $\mathrm{N}=1$ comes to be :

|  |  |  |  | summation value |  |  |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :---: | :--- | :---: |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | $1+2+3+4+5$ | $=15$ |  |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | $2+3+4+5+6$ | $=20$ |  |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | $3+4+5+6+7$ | $=25$ |  |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | $4+5+6+7+8$ | $=30$ |  |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | $5+6+7+8+9$ | $=35$ |  |

Grand summation value $15+20+25+30+35=125=5 \times 5 \times 5$
14. It would be blissful exercise to chase 'manifesting' and transcendence being of equal NVF values features to acquire insight
of the phenomenon of solid order hyper cube 5 manifesting within spatial order creator's space ( 4 -space)
15. It would further be a blissful exercise to chase four fold manifestation layer $(1,2,3,4)$ and five fold transcendence range ( 0 , $1,2,3,4,5$ ) being of equal summation values ' 10 '
16. English language formulations of 26 letters alphabet permit chase in terms of NVF values range (1 to 26) in the sequence and order of 26 letters range (A to Z )
17. Sanskrit language formulation permit chase in terms of transcendental code values for 50 letters Devnagri alphabet as under: 18.

| अ | इ | उ | ऋ | लृ | ए | ओ | ऐ | औ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |


| क | ख् | ग | घ | ड. |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| च | छ | ज | झ | ज |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| ट् | ठ् | ढ- | ण | ड. |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| त, | थ | द | ย์ | न- |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| प् | फ़ | ब | भุ | म् |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |


| य | र् | ल् | व् |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | 3 | 5 | 7 |
| शे | स् | ष् | ह् |
| 2 | 3 | 6 | 9 |

20. Dimensional synthesis values tabulation comes to be under

| C1 | C2 | C3 | C4 | C5 | C6 | C7 | C8 | C9 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| $-------------------------------------------------------~$ |  |  |  |  |  |  |  |  |


| -1 | 1 | 6 | 14 | 25 | 39 | 56 | 76 | 99 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 0 | 2 | 6 | 12 | 20 | 30 | 42 | 56 | 72 |
| -1 | -1 | 0 | +2 | +5 | +9 | +14 | +20 | +27 |
| +1 | +1 | 0 | -2 | -5 | -9 | -14 | -20 | -27 |
| 1 | 3 | 6 | 10 | 15 | 21 | 28 | 36 | 45 |
| 2 | 4 | 6 | 8 | 10 | 12 | 14 | 16 | 18 |
| 3 | 5 | 6 | 6 | 5 | 3 | 0 | -4 | -9 |
| 4 | 6 | 6 | 4 | 0 | -6 | -14 | -24 | -36 |
| 5 | 7 | 6 | 2 | -5 | -15 | -28 | -44 | -63 |
| 6 | 8 | 6 | 0 | -10 | -24 | -42 | -64 | -90 |
| 7 | 9 | 6 | -2 | -15 | -33 | -56 | -84 | -117 |
| 8 | 10 | 6 | -4 | -20 | -42 | -70 | -104 | -141 |
| 9 | 11 | 6 | -6 | -25 | -51 | -84 | -124 | -168 |

21. Different features of organization format of Shiv Sahestranam Stotram may be chased as per following tabulation

Shastranam Stotram is a complete scripture. Its organization runs parallel to the knowledge organized upon this format of organization. As such first of all, basic features of this organization are being chased resulting into following 26 tables.

$$
\text { Step - } 01
$$

## Shalokawise Number Of Names

Tables Step - 01
Shalokawise Number Of Names

| Sr. <br> no. | Shaloka <br> number | Number <br> of names | Total number <br> of names |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  |  |
| 1 | 2 | 11 | 11 |
| 2 | 3 | 7 | 18 |
| 3 | 4 | 7 | 25 |
| 4 | 5 | 9 | 34 |


| 5 | 6 | 7 | 41 |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
| 6 | 7 | 10 | 51 |
| 7 | 8 | 9 | 60 |
| 8 | 9 | 7 | 67 |
| 9 | 10 | 8 | 75 |
| 10 | 11 | 8 | 83 |
| 11 | 12 | 10 | 93 |
| 12 | 13 | 8 | 101 |
| 13 | 14 | 11 | 112 |
| 14 | 15 | 9 | 121 |
| 15 | 16 | 8 | 129 |
| 16 | 17 | 8 | 137 |
| 17 | 18 | 9 | 146 |
| 18 | 19 | 10 | 156 |
| 19 | 20 | 7 | 163 |
| 20 | 21 | 8 | 171 |
| 21 | 22 | 8 | 179 |
| 22 | 23 | 7 | 186 |
| 23 | 24 | 8 | 194 |
| 24 | 25 | 7 | 201 |
| 25 | 26 | 7 | 208 |
| 26 | 27 | 7 | 215 |
| 27 | 28 | 9 | 224 |
| 28 | 29 | 9 | 233 |
| 29 | 30 | 9 | 242 |
| 30 | 31 | 8 | 250 |
| 31 | 32 | 8 | 258 |
| 32 | 33 | 9 | 267 |
| 33 | 34 | 7 | 274 |
| 34 | 35 | 10 | 284 |
| 35 | 36 | 9 | 293 |
| 36 | 37 | 8 | 301 |
| 37 | 38 | 8 | 309 |
| 38 | 39 | 9 | 318 |
| 39 | 40 | 9 | 327 |
| 40 | 41 | 6 | 333 |
| 41 | 42 | 6 | 339 |
| 42 | 43 | 7 | 346 |
| 43 | 44 | 7 | 353 |
| 44 | 45 | 7 | 360 |
| 45 | 46 | 8 | 368 |
| 46 | 47 | 9 | 377 |
|  |  |  |  |
|  | 9 |  |  |
|  | 7 |  |  |


| 47 | 48 | 8 | 385 |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
| 48 | 49 | 9 | 394 |
| 49 | 50 | 8 | 402 |
| 50 | 51 | 8 | 410 |
| 51 | 52 | 8 | 418 |
| 52 | 53 | 9 | 427 |
| 53 | 54 | 8 | 435 |
| 54 | 55 | 8 | 443 |
| 55 | 56 | 9 | 452 |
| 56 | 57 | 7 | 459 |
| 57 | 58 | 7 | 466 |
| 58 | 59 | 9 | 475 |
| 59 | 60 | 8 | 483 |
| 60 | 61 | 10 | 493 |
| 61 | 62 | 7 | 500 |
| 62 | 63 | 8 | 508 |
| 63 | 64 | 7 | 515 |
| 64 | 65 | 8 | 523 |
| 65 | 66 | 6 | 529 |
| 66 | 67 | 7 | 536 |
| 67 | 68 | 6 | 542 |
| 68 | 69 | 7 | 549 |
| 69 | 70 | 7 | 556 |
| 70 | 71 | 8 | 564 |
| 71 | 72 | 8 | 572 |
| 72 | 73 | 7 | 579 |
| 73 | 74 | 6 | 585 |
| 74 | 75 | 8 | 593 |
| 75 | 76 | 9 | 602 |
| 76 | 77 | 8 | 610 |
| 77 | 78 | 7 | 617 |
| 78 | 79 | 7 | 624 |
| 79 | 80 | 8 | 632 |
| 80 | 81 | 7 | 639 |
| 81 | 82 | 8 | 647 |
| 82 | 83 | 7 | 654 |
| 83 | 84 | 8 | 662 |
| 84 | 85 | 6 | 668 |
| 85 | 86 | 6 | 674 |
| 86 | 87 | 6 | 680 |
| 87 | 88 | 10 | 690 |
| 88 | 89 | 7 | 697 |
|  |  |  |  |
| 7 | 7 |  |  |
|  | 7 |  |  |


| 89 | 90 | 8 | 705 |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
| 90 | 91 | 4 | 709 |
| 91 | 92 | 6 | 715 |
| 92 | 93 | 6 | 721 |
| 93 | 94 | 6 | 727 |
| 94 | 95 | 9 | 736 |
| 95 | 96 | 8 | 744 |
| 96 | 97 | 7 | 751 |
| 97 | 98 | 7 | 758 |
| 98 | 99 | 7 | 765 |
| 99 | 100 | 8 | 773 |
| 100 | 101 | 9 | 782 |
| 101 | 102 | 8 | 790 |
| 102 | 103 | 8 | 798 |
| 103 | 104 | 5 | 803 |
| 104 | 105 | 6 | 809 |
| 105 | 106 | 7 | 816 |
| 106 | 107 | 8 | 824 |
| 107 | 108 | 7 | 831 |
| 108 | 109 | 10 | 841 |
| 109 | 110 | 7 | 848 |
| 110 | 111 | 8 | 856 |
| 111 | 112 | 6 | 862 |
| 112 | 113 | 7 | 869 |
| 113 | 114 | 6 | 875 |
| 114 | 115 | 7 | 882 |
| 115 | 116 | 7 | 889 |
| 116 | 117 | 9 | 898 |
| 117 | 118 | 9 | 907 |
| 118 | 119 | 7 | 914 |
| 119 | 120 | 9 | 923 |
| 120 | 121 | 6 | 929 |
| 121 | 122 | 5 | 934 |
| 122 | 123 | 8 | 942 |
| 123 | 124 | 5 | 947 |
| 124 | 125 | 5 | 952 |
| 125 | 126 | 6 | 958 |
| 126 | 127 | 7 | 965 |
| 127 | 128 | 7 | 972 |
| 128 | 129 | 6 | 978 |
| 129 | 130 | 8 | 986 |
| 130 | 131 | 8 | 994 |
|  |  |  |  |
| 7 | 7 |  |  |
|  | 7 |  |  |


| 131 | 132 | 6 | 1000 |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  | ------- |

Tables Step - 02
Shalokas composing set of $\mathbf{4}, 5,10 \& 11$ names

## Shalokas composing set of 4 names

| Sr. <br> no. | Serial number <br> of table 1 | Shaloka <br> number | Number <br> of names | Total number <br> of names |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  |  |  |
| 1 | 90 | 91 | 4 | 4 |
|  |  |  |  |  |

## Shalokas composing set of 5 names

| Sr. <br> no. | Serial number <br> of table 1 | Shaloka <br> number | Number <br> of names | Total number <br> of names |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  |  |  |
| 1 | 103 | 104 | 5 | 5 |
| 2 | 121 | 122 | 5 | 10 |
| 3 | 123 | 124 | 5 | 15 |
| 4 | 124 | 125 | 5 | 20 |

## Shalokas composing set of $\mathbf{1 0}$ names

| Sr. <br> no. | Serial number <br> of table 1 | Shaloka <br> number | Number <br> of names | Total number <br> of names |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  |  |  |
| 1 | 6 | 7 | 10 | 10 |
| 2 | 11 | 12 | 10 | 20 |
| 3 | 18 | 19 | 10 | 30 |
| 4 | 34 | 35 | 10 | 40 |
| 5 | 60 | 61 | 10 | 50 |
| 6 | 87 | 88 | 10 | 60 |
| 7 | 108 | 109 | 10 | 70 |
|  |  |  |  |  |

## Shalokas composing set of 11 names

| Sr. <br> no. | Serial number <br> of table 1 | Shaloka <br> number | Number <br> of names | Total number <br> of names |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  |  |  |
| 1 | 1 | 2 | 11 | 11 |
| 2 | 13 | 14 | 11 | 22 |

Tables Step - 03
Shalokas composing set of 6 names
Shalokas composing set of 6 names

| Sr. <br> no. | Serial number <br> of table 1 | Shaloka <br> number | Number <br> of names | Total number <br> of names |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | 40 | 41 | 6 | 6 |
| 2 | 41 | 42 | 6 | 12 |
| 3 | 65 | 66 | 6 | 18 |
| 4 | 67 | 68 | 6 | 24 |
| 5 | 73 | 74 | 6 | 30 |
| 6 | 84 | 85 | 6 | 36 |
| 7 | 85 | 86 | 6 | 42 |
| 8 | 86 | 87 | 6 | 48 |
| 9 | 91 | 92 | 6 | 54 |
| 10 | 92 | 93 | 6 | 60 |
| 11 | 93 | 94 | 6 | 66 |
| 12 | 104 | 105 | 6 | 72 |
| 13 | 111 | 114 | 6 | 78 |
| 14 | 113 | 114 | 6 | 84 |
| 15 | 120 | 121 | 6 | 90 |
| 16 | 125 | 126 | 6 | 96 |
| 17 | 128 | 129 | 6 | 102 |
| 18 | 131 | 132 | 6 | 108 |
|  |  |  |  |  |

## Tables Step - 04 <br> Shalokas composing set of 7 names

## Shalokas composing set of 7 names

| Sr. no. | Serial number of table 1 | Shaloka number | Number of names | Total number of names |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | 2 | 3 | 7 | 7 |
| 2 | 3 | 4 | 7 | 14 |
| 3 | 5 | 6 | 7 | 21 |
| 4 | 8 | 9 | 7 | 28 |
| 5 | 19 | 20 | 7 | 35 |
| 6 | 22 | 23 | 7 | 42 |
| 7 | 24 | 25 | 7 | 49 |
| 8 | 25 | 26 | 7 | 56 |
| 9 | 26 | 27 | 7 | 63 |
| 10 | 33 | 34 | 7 | 70 |
| 11 | 42 | 43 | 7 | 77 |
| 12 | 43 | 44 | 7 | 84 |
| 13 | 44 | 45 | 7 | 91 |
| 14 | 56 | 57 | 7 | 98 |
| 15 | 57 | 58 | 7 | 105 |
| 16 | 61 | 62 | 7 | 112 |
| 17 | 63 | 64 | 7 | 119 |
| 18 | 66 | 67 | 7 | 126 |
| 19 | 68 | 69 | 7 | 133 |
| 20 | 69 | 70 | 7 | 140 |
| 21 | 72 | 73 | 7 | 147 |
| 22 | 77 | 78 | 7 | 154 |
| 23 | 78 | 79 | 7 | 161 |
| 24 | 80 | 81 | 7 | 168 |
| 25 | 82 | 83 | 7 | 175 |
| 26 | 88 | 89 | 7 | 182 |
| 27 | 96 | 97 | 7 | 189 |
| 28 | 97 | 98 | 7 | 196 |
| 29 | 98 | 99 | 7 | 203 |
| 30 | 105 | 106 | 7 | 210 |
| 31 | 107 | 108 | 7 | 217 |
| 32 | 109 | 110 | 7 | 224 |


| 33 | 112 | 113 | 7 | 231 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 34 | 114 | 115 | 7 | 238 |
| 35 | 115 | 116 | 7 | 245 |
| 36 | 118 | 119 | 7 | 252 |
| 37 | 126 | 127 | 7 | 259 |
| 38 | 127 | 128 | 7 | 266 |
|  |  |  |  |  |

## Tables Step - 05 Shalokas composing set of 8 names

## Shalokas composing set of 8 names

| Sr. no. | Serial number of table 1 | Shaloka number | Number of names | Total number of names |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | 9 | 10 | 8 | 08 |
| 2 | 10 | 11 | 8 | 16 |
| 3 | 12 | 13 | 8 | 24 |
| 4 | 15 | 16 | 8 | 32 |
| 5 | 16 | 17 | 8 | 40 |
| 6 | 20 | 21 | 8 | 48 |
| 7 | 21 | 22 | 8 | 56 |
| 8 | 23 | 24 | 8 | 64 |
| 9 | 30 | 31 | 8 | 72 |
| 10 | 31 | 32 | 8 | 80 |
| 11 | 36 | 37 | 8 | 88 |
| 12 | 37 | 38 | 8 | 96 |
| 13 | 45 | 46 | 8 | 104 |
| 14 | 47 | 48 | 8 | 112 |
| 15 | 49 | 50 | 8 | 120 |
| 16 | 50 | 51 | 8 | 128 |
| 17 | 51 | 52 | 8 | 136 |
| 18 | 53 | 54 | 8 | 144 |
| 19 | 54 | 55 | 8 | 152 |
| 20 | 59 | 60 | 8 | 160 |
| 21 | 62 | 63 | 8 | 168 |
| 22 | 64 | 65 | 8 | 176 |
| 23 | 70 | 71 | 8 | 184 |
| 24 | 71 | 72 | 8 | 192 |


| 25 | 74 | 75 | 8 | 200 |
| :--- | ---: | ---: | ---: | :--- |
| 26 | 76 | 77 | 8 | 208 |
| 27 | 79 | 80 | 8 | 216 |
| 28 | 81 | 82 | 8 | 224 |
| 29 | 83 | 84 | 8 | 232 |
| 30 | 89 | 90 | 8 | 240 |
| 31 | 95 | 96 | 8 | 248 |
| 32 | 99 | 100 | 8 | 256 |
| 33 | 101 | 102 | 8 | 264 |
| 34 | 102 | 103 | 8 | 272 |
| 35 | 106 | 107 | 8 | 280 |
| 36 | 110 | 111 | 8 | 288 |
| 37 | 122 | 123 | 8 | 296 |
| 38 | 129 | 130 | 8 | 304 |
| 39 | 130 | 131 | 8 | 312 |

## Tables Step - 06 <br> Shalokas composing set of 9 names

## Shalokas composing set of 9 names

| Sr. <br> no. | Serial number <br> of table 1 | Shaloka <br> number | Number <br> of names | Total number <br> of names |
| :--- | ---: | ---: | :--- | :--- |
|  | 4 |  |  |  |
| 1 | 7 | 8 | 9 | 09 |
| 2 | 14 | 15 | 9 | 18 |
| 3 | 17 | 18 | 9 | 27 |
| 4 | 27 | 28 | 9 | 36 |
| 5 | 28 | 29 | 9 | 45 |
| 6 | 29 | 30 | 9 | 63 |
| 7 | 32 | 33 | 9 | 72 |
| 8 | 35 | 36 | 9 | 81 |
| 9 | 38 | 39 | 9 | 90 |
| 10 | 39 | 40 | 9 | 99 |
| 11 | 46 | 47 | 9 | 108 |
| 12 | 48 | 49 | 9 | 117 |
| 13 | 52 | 53 | 9 | 126 |
| 14 | 55 | 56 | 9 | 135 |
| 15 | 58 | 59 | 9 | 144 |
| 16 |  | 5 |  |  |


| 17 | 75 | 76 | 9 | 153 |
| :--- | ---: | ---: | ---: | :--- |
| 18 | 94 | 95 | 9 | 162 |
| 19 | 100 | 101 | 9 | 171 |
| 20 | 116 | 117 | 9 | 180 |
| 21 | 117 | 118 | 9 | 189 |
| 22 | 119 | 120 | 9 | 198 |
|  |  |  |  |  |

Tables Step - 07
Consolidated frequency of occurrence of

## 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11 names

| Sr | Number of <br> names | Frequency / <br> Number of shalokas | Total | Grand Total |
| ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| 1 | 4 | 1 | 4 | 4 |
| 2 | 5 | 4 | 20 | 24 |
| 3 | 6 | 18 | 108 | 132 |
| 4 | 7 | 38 | 266 | 398 |
| 5 | 8 | 39 | 312 | 710 |
| 6 | 9 | 22 | 198 | 908 |
| 7 | 10 | 7 | 70 | 978 |
| 8 | 11 | 2 | 22 | 1000 |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

Tables Step - 08
Table of transitions of ranges values 4 to 11

| Sr | Range value | Transition for <br> The ranges paring value | Total | Grand <br> Total |
| ---: | ---: | :--- | ---: | ---: |
| 1 | 4 | $1,6)$ | 1 |  |
| 2 | 5 | $(5,6),(5,8)$ | 2 | 3 |
| 3 | 6 | $(6,4),(6,5),(6,6)$, <br> $(6,7),(6,8),(6,10)$ | 6 | 9 |
| 4 | 7 | $(7,6),(7,7),(7,8)$, | 5 | 14 |
| $(7,9),(7,10)$ |  |  |  |  |, | (8, |
| :--- |


| 8 | 11 | $(11,7),(11,9)$ | 2 | 31 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | ---: |

Tables Step - 09
Table of transitions of ranges values 4 to 11 Culminating into ranges 4-11

| Sr | Culminating <br> Range value | Transition form | Total | Grand <br> Total |
| ---: | ---: | :--- | ---: | ---: |
| 1 | 4 | $(8,4)$ | 1 | 1 |
| 2 | 5 | $(5,5)(6,5),(8,5)$ | 3 | 4 |
| 3 | 6 | $(6,4),(6,5),(6,6)$ <br> $(6,7),(6,8),(6,10)$ | 6 | 10 |
| 4 | 7 | $(6,7),(7,7),(8,7)$, <br> $(9,7),(10,7),(11,7)$ | 6 | 16 |
| 5 | 8 | $(5,8),(6,8),(7,8)$ <br> $(8,8),(9,8),(10,8)$ <br> $(11,8)$ | 7 | 23 |
| 6 | 9 | $(7,9),(8,9),(9,9)$ <br> $(10,9),(11,9)$ | 5 | 28 |
| 7 | 10 | $(6,10),(7,10),(8,10)$ <br> $(9,10)$ | 4 | 32 |
| 8 | 11 | $(8,11)$ | 1 | 33 |

Tables Step - 10
Table of two fold transitions from
ranges values 4 to 11 to ranges 4-11
Two fold flow chart for set of four names range

| 11 | 10 | 9 | 8 | 7 | 6 | 5 | 4 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |

$\begin{array}{llllllll}4 & 5 & 6 & 7 & 8 & 9 & 10 & 11\end{array}$

Tables Step - 11
Table of two fold transitions from ranges values 4 to 11 to ranges 4-11

Two fold flow chart for set of five names range

| 11 | 10 | 9 | 8 | 7 | 6 | 5 | 4 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |

Tables Step - 12
Table of two fold transitions from ranges values 4 to 11 to ranges 4-11
------------------------------------------------

Two fold flow chart for set of six names range


## VMS \& T 2013 :

Tables
Step - 13
Table of two fold transitions from ranges values 4 to 11 to ranges 4-11


Two fold flow chart for set of seven names range


Tables Step - 14
Table of two fold transitions from ranges values 4 to 11 to ranges 4-11
------------------------------------------------

Two fold flow chart for set of eight names range


Tables Step - 15
Table of two fold transitions from ranges values 4 to 11 to ranges 4-11
------------------------------------------------

Two fold flow chart for set of nine names range


Tables Step - 16
Table of two fold transitions from ranges values 4 to 11 to ranges 4-11
----------------------------------------------------

Two fold flow chart for set of ten names range


## Tables Step - 17

Table of two fold transitions from ranges values 4 to 11 to ranges 4-11
---------------------------------------------------

Two fold flow chart for set of eleven names range

| 11 | 10 | 9 | 8 | 7 | 6 | 5 | 4 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |

## Tables Step - 18

Table of two fold transitions from

## ranges values 4 to 11 to ranges 4-11

Consolidated table of inward and outward flow from each range of set of names

| Sr. no | Number of <br> names | Inward flow <br> frequency | Outward flow <br> frequency | Total <br> frequency | Grand total <br> Frequency |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | 4 | 1 | 1 | 2 | 2 |
| 2 | 5 | 2 | 2 | 4 | 6 |
| 3 | 6 | 6 | 6 | 12 | 18 |
| 4 | 7 | 6 | 5 | 11 | 29 |
| 5 | 8 | 8 | 7 | 15 | 44 |
| 6 | 9 | 5 | 4 | 9 | 53 |
| 7 | 10 | 4 | 4 | 8 | 61 |
| 8 | 11 | 1 | 2 | 3 | 64 |
|  |  |  |  |  |  |

## Tables Step - 19

Table of equal values pairs and triples for the range 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11

| Sr. <br> no | Number of names | Equal values pair | Total pairs | Grand Total Of pairs | Equal values triples | Total triples | Grand total of triples |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | 4 | ----- | ------ | ---- | ------ | ------ | ------ |
| 2 | 5 | 1 | 1 | 1 | --- | ---- | ------ |
| 3 | 6 | --- | --- | ---- | 2 | 2 | 2 |
| 4 | 7 | 6 | 1 | 7 | 1 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 7 | 7 | 14 | 1 | 1 | 4 |
| 6 | 9 | 2 | 2 | 16 | 1 | 1 | 5 |
| 7 | 10 | ------ | ------ | ------ | ------ | ------ | ------ |
| 8 | 11 | ------ | ------ | ------ | ------ | ------ | ------ |

Tables Step - 20
Table of double digit reflecting pairs numbers for the range (4, 5, 6, 7, 8, 9)

| Sr. <br> no | Double digit <br> number | Reflection <br> Pair | Total |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | 44 | 44,44 | 1 |
| 2 | 45 | 45,54 | 2 |
| 3 | 46 | 46,64 | 2 |
| 4 | 47 | 47,74 | 2 |
| 5 | 48 | 48,84 | 2 |
| 6 | 49 | 49,94 | 2 |
| 7 | 55 | 55,55 | 1 |
| 8 | 56 | 56,65 | 2 |
| 9 | 57 | 57,75 | 2 |
| 10 | 58 | 58,85 | 2 |
| 11 | 59 | 59,95 | 2 |
| 12 | 66 | 66,66 | 1 |
| 13 | 67 | 67,76 | 2 |
| 14 | 68 | 68,86 | 2 |
| 15 | 69 | 69,96 | 2 |
| 16 | 77 | 77,77 | 1 |
| 17 | 78 | 78,87 | 2 |
| 18 | 79 | 79,97 | 2 |
| 19 | 88 | 88,88 | 1 |
| 20 | 89 | 89,98 | 2 |
| 21 | 99 | 99,99 | 1 |

Tables Step - 21
Table of double digit reflecting pairs
numbers for the range $(4,5,6,7,8,9)$
Double digit numbers and parallel transitions for the range $4,5,6,7,8,9$

| Sr. <br> no | Double digit <br> number | Corresponding <br> transition | Transition <br> Pair | Total |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | 44 | nil | Nil | 0 |
| 2 | 45 | Nil | Nil | 0 |
| 3 | 46 | $(4,6)$ | Nil | $1 / 2$ |
| 4 | 47 | Nil | Nil | 0 |
| 5 | 48 | $(8,4)$ | Nil | $1 / 2$ |
| 6 | 49 | Nil | Nil | 0 |
| 7 | 55 | $(5,5)$ | $(5,5),(5,5)$ | 1 |
| 8 | 56 | $(5,6)$ | $(5,6),(6,5)$ | 1 |
| 9 | 57 | Nil | Nil | 0 |
| 10 | 58 | $(5,8)$ | $(5,8),(8,5)$ | 1 |
| 11 | 59 | $(5,9)$ | $(5,9),(9,5)$ | 1 |
| 12 | 66 | $(6,6)$ | $(6,6),(6,6)$ | 1 |
| 13 | 67 | $(6,7)$ | $(6,7),(7,6)$ | 1 |
| 14 | 68 | $(6,8)$ | $(6,8),(8,6)$ | 1 |
| 15 | 69 | Nil | Nil | 0 |
| 16 | 77 | $(7,7)$ | $(7,7),(7,7)$ | 1 |
| 17 | 78 | $(7,8)$ | $(7,8),(8,7)$ | 1 |
| 18 | 79 | $(7,9)$ | $(7,9),(9,7)$ | 1 |
| 19 | 88 | $(8,8)$ | $(8,8),(8,8)$ | 1 |
| 20 | 89 | $(8,9)$ | $(8,9),(9,8)$ | 1 |
| 21 | 99 | $(9,9)$ | $(9,9),(9,9)$ | 1 |

## Tables Step - 22

Table of double digit reflecting pairs numbers for the range $(4,5,6,7,8,9,10,11)$ $\underline{\text { with }(10,11)}$

Double digit numbers and parallel transitions for the range $4,5,6,7,8,9,10,11$

| Sr. <br> no | Double digit <br> number | Corresponding <br> transition | Transition <br> Pair | Total |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | 104 | $(10,4)$ | NA |  |  |
| 2 | 105 | $(10,5)$ | NA |  |  |
| 3 | 106 | $(10,6)$ | NA |  |  |
| 4 | 107 | $(10,7)$ |  | $(10,7),(7,10)$ |  |
| 5 | 108 | $(10,8)$ |  | $(10,8),(8,10)$ |  |
| 6 | 109 | $(10,9)$ |  | $(10,9),(9,10)$ |  |
| 7 | 110 | $(10,10)$ | NA |  |  |
| 8 | 111 | $(10,11)$ | NA |  |  |
| 9 | 114 | $(11,4)$ | NA |  |  |
| 10 | 115 | $(11,5)$ | NA |  |  |
| 11 | 116 | $(11,6)$ | NA |  |  |
| 12 | 117 | $(11,7)$ |  | $(11,7),----$ |  |
| 13 | 118 | $(11,8)$ |  | $(8,11),(11,8)$ |  |
| 14 | 119 | $(11,9)$ |  | $(9,11),(11,9)$ |  |
| 15 | 120 | $(11,10)$ | NA |  |  |
| 16 | 121 | $(11,11)$ | NA |  |  |

Tables Step - 23
Table of double digit numbers of ten place value

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 | 08 | 09 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |
| 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 |
| 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 |
| 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 |


| 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 |
| 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 |
| 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 |

Tables Step - 24
Table of upper half of double digit numbers of ten place value

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 | 08 | 09 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
|  | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |
|  |  | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 |
|  |  |  | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 |
|  |  |  |  | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 |
|  |  |  |  |  | 60 | 61 | 62 | 63 |
|  |  |  |  |  |  | 70 | 71 | 72 |
|  |  |  |  |  |  |  | 80 | 81 |
|  |  |  |  |  |  |  |  | 90 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |

Tables Step - 25
Table of lower half of double digit numbers of ten place value

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 28 | 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 37 | 38 | 39 |  |  |  |  |  |  |  |


| 46 | 47 | 48 | 49 |  |  |  |  |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| $\mathbf{5 5}$ | 56 | 57 | 58 | 59 |  |  |  |  |
| 64 | 65 | $\mathbf{6 6}$ | 67 | 68 | 69 |  |  |  |
| 73 | 74 | 75 | 76 | $\mathbf{7 7}$ | 78 | 79 |  |  |
| 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | $\mathbf{8 8}$ | 89 |  |
| 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | $\mathbf{9 9}$ |

Tables Step - 26
Table of dimension fold - domain fold coordination

| Sr | Dimensional <br> order | Dimensional <br> value | Domain <br> value | Summation <br> value |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | Linear | 31 | 33 | 64 |
| 2 | Spatial | 42 | 44 | 66 |
| 3 | Solid | 53 | 55 | 108 |
| 4 | Hyper sold 4 | 64 | 66 | 130 |
| 5 | Hyper sold 5 | 75 | 77 | $132^{*}$ |
| 6 | Hyper sold 6 | 86 | 88 | 154 |
| 7 | Hyper sold 7 | 97 | 99 | 196 |

22. Panch Avaran / five fold orbitals chase of transcendental domains are the transcendental source reservoir of pure and applied values of transcendental domains for whose insight, take off is to be had from the present stage of comprehension of transcendental domains in present introductory course for advance course of Vedic Mathematics, science and technology.
23. It is with proper comprehension and appropriate imbibing of the features of transcendental domains that take off would be had for insight of 'self referral domains (6-space) and beyond that of unity state ( 7 -space).

I Conclusion of all conclusions
II Manifestation and transcendence
III Transcendental domains chase
IV Opening words
V Chase steps conclusion
vi Overview
vii Transition foundation
i. Reach at geometric formats of Devnagri
alphabet and its individual letters
ii. To be face to face with creator's space as the starting point for foundation for transcendental domain
iii. Manifestations and transcendence therefrom
iv. Self referral set ups

## Conclusion

II
Specific Earth to Sun range

1. 'Earth to Sun range' is six steps long range: 'I' Earth 'II' Water 'III' Fire 'IV' Space 'V' Sun.
2. There are pairs of orientations reach for this range:

Firstly: ‘I' Earth 'II' Water 'III' Fire 'IV' Space 'V' Sun, and Secondly: 'I' Sun 'II' Space 'III' Air 'IV' Fire 'V' Water 'VI' Earth.
3. Linear sequencing formats for above pair of orientations are parallel to pair of orientations of an interval.
4. Parallel to it are the sequencing formats of number / artifices pair $(+1,-1)$.
5. This is further parallel to pairing of (1-space as domain fold ' -1 ' space as dimension fold.
6. Here it would be relevant to note that NVF (Earth) $=$ NVF (Six).
7. Further it also would be relevant to note that Vedic systems accept 6 -space format for 'Surya' / Sun.
8. As such pair of artifices / numbers ranges which would come into play are $(1,2,3,4,5,6)$ and $(6,5,4,3,2,1)$.
9. Still further, it also would be relevant to note that 6 -space is of a creative dimensional order (4-space playing the role of dimension of 6 -space).
10. Still further it also would be relevant to note that hyper cube 6 with its domain fold as manifested domain of 6 -space content shall be accepting a measuring rod synthesized by hyper cubes 1 to 6 .
11. Still further it also would be relevant to note that 6 -space being of a creative dimensional order, as such the measure of measuring rod of 6 -space shall be of the values of 4 -space.
12. Still further it also would be relevant to note that the values of 4 -space as manifested domain (4-space as domain fold of hyper cube $4)$ shall be accepting transcendental origin (5-space as origin fold).
13. With it, the solid order (of transcendental origin) / 5-space as origin of creator's space / 4-space shall be transcending into spatial order domain.
14. It is this phenomenon of super imposition of solid order over spatial order, which deserves to be comprehended well and to be imbibed fully to have an insight about the simultaneous happening of 'manifesting' as well as of transcendence.
15. It is with this insight that one can be face to face with the simultaneous play of spatial order / 2 -space in the role of dimension along with solid order / 3 -space in the role of dimension happening simultaneously and thereby there being parallel supplementary and complementary roles of 2 -space and 3 -space, which otherwise maintain their individualities like 2 -space as boundary fold player of 3 -space as domain fold of cube / hyper cube 3 .
16. NVF (Mathematics) $=$ NVF (Square) + NVF (Cube) and still further NVF (Square) = NVF (Void cube) will help us have further insight about this phenomenon and chase steps of 'mathematics'.
17. It would be blissful to permit the transcending mind to be face to face with the phenomenon of coordination of transcendental origin (5-space as origin) of creator's space (4-space) and unity state origin ( 7 -space as origin) of self referral domain ( 6 -space).
18. It would be relevant to note that artifices pair $(6,4)$ is parallel to spaces pair ( 6 -space) as domain fold, 4 -space as dimension fold.
19. Further it also would be relevant to note that the artifices pair $(7,5)$ is parallel to spaces pair ( 7 -space as domain, 5 -space as dimension fold).
20. Still further it would be blissful to chase coordination of paired pairs of artifices $(6,4)$ and $(7,5) /$ and parallel to it the coordination of paired pairs of spaces [( 6 -space, 4 -space) and ( 7 -space, 5 -space)].
21. One may have a pause here and permit the transcending mind to remain in and prolonged sittings of trans to be face to face with the happening of transcendental order ( 5 -space as dimension) manifesting unity state ( 7 -space within self referral domain (6-space) being of creative dimensional order 4 -space as dimension.
22. It would be blissful to comprehend and imbibe the values of unity state ( 7 -space) of transcendental order ( 5 -space) happening within Sun as self referral domain (6-space) of creative dimensional order (4-space) as dimension.
23. It is this specific features of 'Earth to Sun range', which deserves to be comprehended well and to be imbibed fully to have an insight about the happening manifesting and transcendental role of 5 -space.
24. One may have a pause here and permit the transcending mind to glimpse the transcendental phenomenon of transcendental boundary ( 5 -space) of self referral domain (6-space) transcending through the unity state origin (7-space) as origin) of self referral domain (6-space) and playing the role of transcendental order (5space) as dimension of 7 -space and reaching at the base of the origin.
25. It would be relevant to note that transcendence upward from the unity state origin (7-space) as origin of self referral domain (6space) and getting super imposed upon the creative dimensional order (4-space) as dimension of self referral domain (6-space) and ultimately manifesting as transcendental boundary ( 5 -space) as boundary of self referral domain ( 6 -space) as domain and on the other hand transcendental boundary (5-space) as boundary
transcending through the self referral domain (6-space) as domain and creating unity state origin (7-space) as origin of self referral domain (6-space) as domain, uniquely covering pair of orientations chase for the self referral domain ( 6 -space) as domain.
26. It is this unique coverage of self referral domain (6-space) as domain along its pair of orientations makes the whole phenomenon a transcendental phenomenon of transcendental carriers (5-space as carriers) through rays of Sun as of the format of seven streams of transcendental dimensional frame of seven transcendental dimensions of unity state.
27. It is this specific features which deserves to be comprehended well and to be imbibed thoroughly to acquire insight about the transcendental phenomenon of Earth to Sun range of its both orientations from Sun to Earth as well as back from Earth to Sun.

## III

## Conclusion

Geometric format of Devnagri alphabet
28. English alphabet is of 26 letters.
29. Devnagri alphabet is of 52 letters, of which the middle 50 letters manifest as 9 vowels, 33 consonants and 8 yama letters.
30. Artifices triple $(9,33,8)$ permit re-organization as $\left(3^{2}, 11 \times 3\right.$, $2^{3}$ )
31. The artifices pair $(9,8) /\left(3^{2}, 2^{3}\right)$ focuses upon the pairing of vertical reflection pairs.
32. Parallel to artifices pair $(9,8)$ is spaces pair ( 9 -space, 8 -space).
33. The reach for the transition from artifices values 9 and 8 , in terms of artifice value 33 , deserves to be chased in reference to the artifice value 3 and parallel to it 3 -space / 3 dimensional frame which permits split into a pair of 3 dimensional frames of half dimensions.
34. With it, the settlement of the script form of individual letters of Devnagri alphabet would be of the format of 3 -space as domain fold and 2 -space as boundary fold.
35. For proper appreciation of this feature, one shall revisit the set up of a cube.
36. It would bring one face to face with different features, chase of which, may be initiated from the embedding of a 3 dimensional frame of half dimensions within each of the eight corner points of the cube.
37. This would bring to focus the script forum of the letter 'स्'.
38.
39. Transcendental domains (5-space) being of a solid dimensional order and manifesting of transcendental domains within creator's space as hyper cube 5 makes only half of the solid dimensional frame be functional due to spatial order of creator's space which accepts ' $1 / 2$ as a functional unit'.
40. This as such may be the initiation point for the advance Vedic Mathematics, Science and Technology course.

## Conclusion

## IV

## Let us revisit

1. This course brings us face to face with the features as that the transcendental lord Shiv, five head lord is at the center of our existence phenomenon within solar universe with pole star as its origin fold.
2. Transcendental lord shiv, the five head lord with lord Vishnu, six head lord in cavity of his heart, transcendence to provide unity state for existence phenomenon.
3. The unity state attainment within creator's space of four head lord brings transcendental lord himself within cavity of his heart (heart of lord Brahma, four head lord, creator the supreme)
4. With transcendental lord within cavity of heart of lord brahma, creator the supreme, the entire existence phenomenon comes within solid dimensional order and with it the Triloki, existence domain, becomes the center of existence phenomenon
5. Accordingly Triloki as being sustained and rejuvenated by Trimurti, becomes the chase discipline of Vedic Mathematics, Science and Technology
6. Sum up : Triloki within 3-spaces unified state, and Trimurti (3spaces) as of individualized roles become the chase steps of Vedic Mathematics, Science and Technology

## v

## Manifestation and transcendence

7. Unification of 3 -spaces content and unfolding thereof as 3 distinct spaces content for their individual roles are the pair of features which become the basic chase step of Vedic Mathematics, Science and Technology
8. Vedic Mathematics, Science and Technology has two fold approach of manifestation and transcendence through manifestation
9. Manifestation is a 4 -spaces content simultaneous formatting process of following sequential ordering
i. Four consecutive dimensional spaces to be worked out at a time.
ii. Sequential roles for these spaces contents are to be as a dimension fold, boundary fold, domain fold and origin fold
iii. These four folds set ups is to center around domain fold, which in its such manifestation is to make it an hyper cube of such domain fold as manifested space content
iv. This set up is of quadruple artifices values (1, 2, 3, 4) with focus upon artifice 3 parallel to quadruple spaces content (1space content, 2 -space content, 3 -space content, 4 -space content) with focus upon 3 -space content).
v. Summation value $1+2+3+4=10$ being of double value of 5 and further $(01,10)$ being a reflection pair of double digit numbers, and still further as 01 is of value parallel to numeral 1 of ten place value system, so this organization as such leads to basic features of such formatting.
vi. A fresh look at quadruple (1, 2, 3, 4) will further bring to focus as that $1+4=2+3=5$ would bring to light a feature of double folding pairings, namely outer and inner folds pairings being of equal value ' 5 '
vii. This leads to double enveloping encircling of equal value (5) and that with this double encircling because of their concentric nature shall be bringing to focus the state of common center which in the process remains unattached with any value
viii. This unattached center being devoid of value, that way makes a way, a cave way, for transcendence through so porous opening at the center
10. Manifestation formatting and retaining center devoid of value makes the space at the center of porous feature permitting transcendence therefrom and as an end result of the transcendence attaining bridging of the porous gap by plugging it by making center as that transcendence domain seat of equal value (5)
11. It is this transcendence process which in one way transit and transforms manifestation formatting into transcendental formatting of five folds and in the process makes the porous space at the center as a transcendental domain seat and having attainment of plugging the porous zone around the center.
12. One may have a pause here and permit the transcending mind to be face to face with this phenomenon, which amongst other shall be of following prominent feature:
i. The four fold manifestation (1, 2, 3, 4) transit and transforms into five fold transcendence range $(1,2,3,4,5)$
ii. The summation value of transcendental range (1, 2, 3, 4, 5) comes to be $1+2+3+4+5=15$
iii. Summation value 15 is parallel to $15=5+5+5$. This value of triple division $(5,5,5)$ would be parallel to value 5 for outer encircling, value 5 for inner encircling and value 5 for the center zone
13. The four fold quadruple artifices $(1,2,3,4)$ with their organization as $(1+4,2+3)$ shall be permitting extension for it as $(1+4),(2+4),(0+5)$.
14. This extension $(1+4)$, $(2+3)$ into $(1+4,2+3,0+5)$ shall be brining to focus as to how in the process of fixation of the middle for given pair of end points, value $0+5$ will get fixed at the middle of
$(1+4,2+3)$ and thereby there would be a sequence $(1+4,0+5,2+$ $3)$.
15. Let us have a fresh look at above re-organization feature as that first components triple of $[1+4,2+3,0+5]$, comes to be $(1,2,0)$ and second component triple comes to be $(4,3,5)$ and it shall be providing us an insight of fixation of middle of pair of ends in a pair of orientations coordinating as a pair of stream flows into the center, as follows
a. First orientation fixation
i. Triple ( $1,2,0$ )
ii. It amounts to having fixation of value 0 as first step

Further having a fixation of value 1 towards west, as fixation being from east to west orientation
Still further for having a fixation of value 2 as middle value as a third step.
iii. Above fixation of triple values sequence $(0,1,2)$ as $(2,1$, 0 ) is along east to west orientation as $(1,2,0)$
b. Second fixation orientation for $(4,3,5)$ as $(3,4,5)$ from west to east can be chased as follows
i. Triple $(4,3,5)$
ii. It amount to fixation for $(3,4,5)$ in their reverse orientation $(5,4,3)$ by having fixation of 5 as first end towards east.
Further to have value 4 towards west along east to west orientation as a second step

Still further to have 3 as third step at the middle
iii. Above fixation of triple $(5,4,3)$ as $(5,3,4)$ along east to west orientation on reversal of orientation i.e. along west to east orientation shall be attaining fixation as $(4,3,5)$
16. One may have a pause here and to take note that the triple encircling set ups of values organization $(1+4,2+3,0+5)$ leads to 6 fold self referral range $(0,1,2,3,4,5)$
17. This, that way becomes the conclusion of all conclusions of manifestation and transcendence therefrom leading to self referral base attainments

## VI <br> Transcendental domains chase

18. The transcendental domains accept chase in terms of transcendental range $(2,6,10,14,18)$ which is parallel to boundary components values of hyper cube $1,3,5,7$ and 9
19. It is this feature of coverage of transcendental domains availing features of hyper cubes 1 to 9 , which makes transcendental domains to be of central role for our existence phenomenon

## VII Let us revisit

1. The basic chase feature of this course is that numbers are approached in terms of their artifices.
2. Numbers and artifices are interlinked parallel to domain folds and dimension folds.
3. It as such gives a focus upon the dimensional frames of spaces and makes the spaces as dimensional spaces.
4. This course is introductory in nature and has aimed to take up till 5 dimensional space as transcendental domain (domain of a solid dimensional order).
5. That way 3 -space in the role of dimension takes to 5 -space which further in the role of dimension takes to 7 -space.
6. With it the focus here in this course has remained uptill the role of 5space as dimension fold.
7. With this, the organization of the course has been substantively of range of 15 weeks.
8. The advance stage course, naturally shall be taking a step ahead.
9. The following table would further help us appreciate the organization of the knowledge and the course.

| Sr | Dimensional order / artifice | Dimension of Dimension / artifice of artifice | Dimensional space / number | Remarks |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | 1-space / artifice 1 | -1 space / artifice (-1) | 3-space / artifice 3 |  |
| 2 | 2-space / artifice 2 | 0 space / artifice 0 | 4-space / artifice 4 |  |
| 3 | 3 -space / artifice 3 | 1 space / artifice 1 | 5-space / artifice 5 |  |
| 4 | 4 -space / artifice 4 | 2 space / artifice 2 | 6-space / artifice 6 | $6 \times 1 / 2=3$ |
| 5 | 5-space / artifice 5 | 3 space / artifice 3 <br> 1 -space / artifice 1 is Artifice of artifice 3 / dimension of 3-space | 7 -space / artifice 7 | $\begin{aligned} & 2 \times 7+1= \\ & 1 \times 3 \times 5 \end{aligned}$ |

The above table will help us have an insight as that in case of transcendental dimensional order (5-space in the role of dimension) of unity state ( 7 -space) inter locks 15 geometries range of 7 -space with $15=$ $1 \times 3 \times 5$ value of dimensional equivalence of 5 -space.
10.It is this feature of interlocking of geometries range and dimensional order which makes 7 -space as the unity state of the existence phenomenon. This interlocking is there because of a reach up till dimension of dimension order itself.
11.With it the normal sequential order $(1,2,3,4,5,6,7,---)$ permits two folds chase
i. First fold

1 ,
$1+2=3$,
$1+2+3=6$,
$1+2+3+4=10$,
$1+2+3+4+5=15$
$1+2+3+4+5+6=21$,
$1+2+3+4+5+6+7=28$
that is $(1,3,6,10,15,21,---$
ii. Second fold

1,
$1+3=4$,
$1+3+6=10$,
$1+3+6+10=20$,
$1+3+6+10+15=35$,
$1+3+6+10+15+21=56$,

$$
1+3+6+10+15+21+28=84
$$

$$
1+3+6+10+15+21+28+36=120
$$

12.This refolding reach at $120=12 \times 10$ value being parallel to 120 creative boundary components of self referral domain (6-space) / hyper cube 6 sufficient for enveloping its boundary of boundary, as such $120 \times 6=720$ value would be parallel to the number of triple digit numbers of distinct digit (numerals including zero) of ten place value system.
13. Still further $720=8 \times 9 \times 10$, the same as such with a focus upon artifice $72=8 \times 9$ and artifices pair $(8 \times 9)$ being a vertical reflection pair $\left(2^{3}, 3^{2}\right)$ with digits 2 and 3 at base and index surfacing their places.
14.As such artifice 72 shall be leading to its reflection image 27. Accordingly there would be 270 triple digit numbers of ten place value system of which two digits would be of equal value.
15.This as such shall be yielding 270/ $3=90$ such triples which would be distinct as equal value pairs would be distinct like ( $001,011,022$ and so on) with it $720+270=990$ triple digits numbers together with 9 triples of equal digit values (111, 222, 333, 444, 555, 666, 777, 888, 999) together with (0000) shall be making out all the 1000 numbers range of triple digits.
16.It is this feature whose chase would help have an insight about the functional approach and processing systems of VMS \& T discipline.
17.The above features shall be leading to working rule of approaching point and line along a line format (1-space format), point, line and surface along 2 -space format / hyper cube 2 set up, hyper cubes $0,1,2$ and 3 along hyper cube 4 format and hyper cubes $0,1,2,3,4,5$ along hyper cube 5 format.
18. This way weeks 1 and 2 , weeks 1,2 and 3 course steps.

## VIII

## Chase steps so far

1. This course is an introductory one. It aims to lay foundation for Advance course.
2. Discipline is 'Vedic Mathematics, Science and technology' to read vedas written on rays of the Sun.
3. Sun rays are the transcendental carriers between the Sun and Earth.
4. Transcendental carriers are of two fold ranges; of sun to Earth and back from Earth to Sun ranges.
5. These ranges are formatted within creator's space (spatial order 4space) as Sathapatya measuring rod of sis phases and stages of six consecutive manifestation layers.
6. These six manifestation ranges are (i) $(-1,0,1,2)$, (ii) $(0,1,2,3)$, (iii) $(1,2,3,4)$, (iv) $(2,3,4,5)$, (v) $(3,4,5,6)$, (vi) $(4,5,6,7)$,
7. These are manifesting as hyper cubes $1,2,3,4,5 \& 6$ of domain fold of space contents of content of spaces $1,2,3,4,5 \& 6$ respectively.
8. Interval, square and cube are hyper cubes 1,2 and 3 respectively.
9. As domain folds of interval, square and cube the expressions of 1space content, 2 -space content and 3 -space content, so these are designated as the representative regular bodies of 1 -space, 2 -space, 3 -space respectively.
10. Domain fold is only one of the four folds of a manifestation layer, as such it focus upon only one quarter of the features square of hyper cube.
11. In this background, hyper cubes may have symbolic expressions in four different ways but dominant features being of domain fold so normally these expressions hyper cube $-1,2,3$ would mean $(-1,0,1,2) .(0,1,2,3)$ and $(1,2,3,4)$ respectively is parallel to our well known symbol, 一, 口, $\boldsymbol{\square}$ of hyper cubes 1,2 and 3 , we may accept $1=5$ and $(~(><))$ respectively being the symbols of hyper cubes $4,5 \& 6$ respectively.
12. Each manifestation layer ( $\mathrm{n}-2, \mathrm{n}-1, \mathrm{n}, \mathrm{n}+1$ ) accept fifth fold, designated and known as base fold of origin fold.
13. Fifth fold, the base fold is of transcendental features as to it the rule of transcend -half comes into play because of spatial orders of the fourth fold, the origin fold.
14. Dimension fold, the first fold is of linear order but because of the spatial order of origin fold, works out in terms of half unit.
15. It is this split of dimension into a pair of parts which results into boundary of domain folds into double number of units.
16. These all features reflect the values of format of domain fold. It is of linear order set up. It is of spatial order origin. It permits enveloping into boundary of double number of components of domain of lower degree.
17. These four folds, namely dimension fold, boundary fold, domain fold and origin fold together with base fold lead to format fold beneath base form.
18. Format fold, is of sixth fold, and the same is of values which lead to unity state, which is designated as the seventh fold.
19. Unity state, the seventh fold is of transcendental order, that is, 5 -space shall be playing its dimensional order.
20. This dimensional order of transcendental features leads to transcendental values to transcendental carriers through AshtPrakrati / eight fold nature to Nav-Braham / Nine fold Braham, the Brahman domain and even beyond to Par-Braham.
21. Linear order to transcendental order; unity state, the transcendental carriers and transcendence through eight fold nature which is of self referral order (6-space in the role of dimension) is a chase which will help have an insight about our solar universe with pole - star as its origin SOURCE RESERVOIR.
22. Pole - Star to Sun is of reverse orientation that that of unity state transcendental carriers.
23. This phenomenon is parallel to coordination format of artifices pair $(8,9)$ which accept re-organization as $\left(2^{3}, 3^{2}\right)$ of vertical reflection pairing.
24. A shift of horizontal reflection pairing as of artifices pair (01, $10)$ to vertical reflection pairing $\left(2^{3}, 3^{2}\right)$ will help reach at synthesis of a pair of half dimension into a wholesome dimension as interval of format of hyper cube -1 of features of four fold manifestation layer ( $-1,0,1,2$ )
25. It will further help have an insight about the synthesis of domain fold in terms of pair of dimension folds ( $\mathrm{n}, \mathrm{n}$ ) $\Rightarrow(\mathrm{n}+2)$
26. The spatial order of origin fold shall be with reversal of orientation, leading to dimensional synthesis rule:
$[-(n+2),(n+2)]=(-n)$
27. This as an absolute format would lead to as that $[-(n+2),(n+2)]=(-n)$ implies $[(n+2),(n+2)]=(n)$
28. One may have a pause here and be face to face with the pair of features
i. $\quad(\mathrm{m}, \mathrm{n})$ implies as leading to $(\mathrm{n}+2)$
ii. $\quad(\mathrm{n}+2)+(\mathrm{n}+2)$ implies as leading to $(\mathrm{n})$
29. It amounts to a transition and transformation of linear order set up of domain fold which accepts ' 1 ' as a unit into origin fold of spatial order which accepts a pair of units ( $1 / 2,2 / 1$ ) working simultaneously.
30. One may again have a pause here and be face to face with the artifice ' 2 ' and number ' 4 ' as that:
$2+2=4=2 \times 2=(-2) \times(-2)$
Further as that $2^{4}=4^{2}$ and parallel to it is
$0+0=0=0 \times 0=(-0) \times(-0)$ and that 0 -space as dimension fold of 2 -space which itself plays the roles of dimension fold of 4 -space. Still further as that the split of $2=(-1)+(0)+(1)+(2)=2$ which would bring us back to 1 (as hyper cube 1 ) while $1=1^{0}=1^{1}=1 \times 1=1^{-1}=1 / 1=1 / 1 \times 1$.
31. We may again have a pause here and have a fresh look at the artifices pair $(1,8)$ which accept re-organization as $1^{3}, 2^{3}$ and that way the transition and transformation from linear order to spatial order would ensure transition from artifice 7 to artifice 8 .
32. However artifice 9 accepts re-organization as $3^{2}$ which in the context of artifice 8 as $2^{3}$ is of the features of vertical reflection pairing orientation format. This as such would help us comprehend a chase of transition from artifice 8 to artifice 9 by following the pairing of reflection pair of artifices format as $\left(2^{3}, 3^{2}\right)$.
33. One may have a pause here and permit the transcending mind to be face to face with the feature of transition from the formats of interval (一), square ( $\mathbf{\square}$ ) and cube ( $\boldsymbol{\Pi}$ ) to the format of hyper cubes 4 , hyper cube 5 and hyper cube $6($ 位, $\mathscr{S},(\rightarrow \leftarrow)$ ).
34. Hyper cubes $4,5 \& 6$ as manifestation layers $(2,3,4,5)$ with summation value $14,(3,4,5,6)$ with summation value 18 and $(4,5$, $6,7)$ with summation value 22 will help us comprehend that artifice 14 accepts $2^{2}$ at unit place and $1^{2}$ at next place value. Likewise artifice 18 accepts $2^{3}$ at unit place and $1^{3}$ at next place. However artifice 22 accepts $2^{1}$ at unit place as well as $2^{1}$ at the next place.
35. Further hyper cube 4 accepts boundary of 8 components and 9 versions, hyper cube 5 accepts boundary of 10 components and 11 versions, and ahead hyper cube 6 accept 12 boundary components and 13 versions.
36. With it artifices range ( $8,9,10,11,12,13$ ) makes out a self referral range of six steps.
37. The middle four fold manifestation range ( $8,9,10,11$ ) with their parallel formats as above of boundary components and number of versions of hyper cube 4 an hyper cube 5 will focus upon the spatial dimensional order of 4 -space and solid dimensional order of 5 -space.
38. This way the pair of dimensional orders, namely spatial dimensional order and solid dimensional order shall be focusing
upon 2-space / hyper cube 2 / square and 3-space / hyper cube 3 / cube.
39. This focus upon square and cube will lead to the set up of a cube which accepts a spatial boundary of six components coordinated in terms of three dimensional frame as that every dimension coordinates a pair of boundary components.
40. One may have a pause here and permit the transcending mind to be face to face with the set up of a three dimensional frame with origin super imposed upon center of the cube.
41. One may further permit the transcending mind to chase spatial order flow from origin of 3 -space / center of cube along three dimensions of a three dimensional frame and the same manifesting as surfaces.
42. It is this phenomenon which deserves to be comprehended well and to be imbibed fully to have proper insight of the manifestation phenomenon of 3 -space as domain fold wrapped within a spatial boundary
43. One may further have a pause here and permit the transcending mind to be face to face with 4 -space as dimensional order of 6 -space wrapped within transcendental boundary (5-space as boundary) of solid dimensional order and that 7 geometries range of 3 -space, 7 positive geometry of 6 -space and 7 -space and 5 -space standing coordinated as domain fold and dimension fold shall on their chase would be providing us an insight of our solar universe (of 6 -space format) parallel to the format of Sun with 7 -space as origin parallel to pole star playing the role of origin fold of our solar universe.
44. It would be parallel to the pursha format (human frame) with $6^{\text {th }}$ circuit as of the format of 6 -space with its seat at the top tip of head through which Sun light coordinates in terms of the transcendental carriers.
45. One may again have a pause here and the way whole phenomenon would get chased in terms of square and cube formats
being simultaneously available. This will lay the foundation of Vedic Mathematics, Science and Technology for reading the Vedas printed on the rays of the Sun of format of 7 positive geometries of 6 -space being fountained through pole star as origin of the solar universe.
46. This format will make for transcendence of 7-space format through origin of 6 -space as transcendental carriers of 5 -space set up to have free flow paths. This that way of reach for 6 -space set up to 5 -space set up in the role of transcendental carriers of Sun light will make (LIGHT) as of number value format (56).
47. Therefore the synthesis of light with light for its chase along format of a square and a cube as of manifestation layer format $(9,10$, 11,12 ) of hyper cube 11 parallel to the range of 11 geometries of 5space / 11 versions of hyper cube 5 becomes the subject matter of chase.
48. The parallel formulations Ed, Bag, Bed, Bee with summation value 42 of values and features of a spatial order and further the whole range of 'Eds, Bags, Beds, Bees' and parallel to it quarter of artifices (28, 29, 30, 31) with summation value 118 will help us comprehend and imbibe these features for the insight of the phenomenon.
49. Amongst others, the features of above are
i. The manifestation layer $(28,29,30,31)$ is of hyper cube 30
ii. The artifice 118 accept re-organization as $59+59$ parallel to which is the NVF equation : NVF (solid) + NVF $($ solid $)=118$
iii. NVF (Mathematics) $=$ NVF (Square) + NVF (Cube)
iv. $\quad$ NVF $($ Light $)+$ NVF $($ Light $)=$ NVF $($ Square $)+$ NVF $($ Cube $)$
50. As such the chase of synthesis of light along the format of simultaneous availability of square and cube deserves to be chased for the Vedas printed on the rays of the Sun.
51. One set of features of synthesis of light with light as artifices pairs $(56,56)$ shall be $56+9+56=121$ and simultaneously as $56-$ $9+56=103$. This way artifice pair $(121,103)$ shall be leading to formulation pair (unification, counting). Ahead $56+10+56=122$
and $56-10+56=102$ shall be leading to formulation pair (frequencies, 2 -space). Ahead $56+11+56=123$ and $56-11+56=$ 101 shall be leading to artifices pair $(123,101)$ of NVF values of formulations pair (circumference, interval). This way the chase can be continued.
52. The other way to chase for synthesis of light with light as artifice $56+56=112$ would be in terms of $112=81+31$, as NVF values of square and cube.
53. The sequential chase for artifices pair (81, 31) with simultaneous increase and decrease of value 1, 2, 3, --- 31 respectively shall be leading to $143=11 \times 13$ value which will help us appreciate and to have an insight about the set up.
54. Here it would be relevant to note that $143=112+31$ speaks for itself as it accepts re-organization as $31+81+81$.
55. One may have a pause here and take note that $81=31+50$ and NVF $($ Void $)=50$, will that way take us to a split for a cube into triple cubes.
56. It may look like a surface within cube shall be splitting the cube into a pair of cubes because of zero volumme of separating surface but even being of zero value, it is of manifestation form and shall be availing a dimensional content and so it would be a third entity because of which cube does not duplicate. However the split of a cube into 8 sub cubes whose centers as 8 corner points of a cube shall be creating a format of an inner cube for the cube with common center with the outer cube and because of it cube transforms as a solid and does not permit it to split as a pair of cubes.
57. The following tables 31 tables will help reach at the different phases and stages of simultaneous sequential increase and decrease of values for the NVF values of cube and square.

Table 1
Sequential increase and decrease of NVF value 1

| Sr. | Cube | Square |
| :---: | :---: | :---: |
|  | 31 | 81 |
| 1 | 32 | 80 |
| 2 | 33 | 79 |
| 3 | 34 | 78 |
| 4 | 35 | 77 |
| 5 | 36 | 76 |
| 6 | 37 | 75 |
| 7 | 38 | 74 |
| 8 | 39 | 73 |
| 9 | 40 | 72 |
| 10 | 41 | 71 |
| 11 | 42 | 70 |
| 12 | 43 | 69 |
| 13 | 44 | 68 |
| 14 | 45 | 67 |
| 15 | 46 | 66 |
| 16 | 47 | 65 |
| 17 | 48 | 64 |
| 18 | 49 | 63 |
| 19 | 50 | 62 |
| 20 | 51 | 61 |
| 21 | 52 | 60 |
| 22 | 53 | 59 |
| 23 | 54 | 58 |
| 24 | 55 | 57 |
| 25 | 56 | 56 |
| 26 | 57 | 55 |
| 27 | 58 | 54 |
| 28 | 59 | 53 |
| 29 | 60 | 52 |
| 30 | 61 | 51 |
| 31 | 62 | 50 |
| 32 | 63 | 49 |
| 33 | 64 | 48 |
| 34 | 65 | 47 |
|  |  |  |


| 35 | 66 | 46 |
| :--- | :--- | :--- |
| 36 | 67 | 45 |
| 37 | 68 | 44 |
| 38 | 69 | 43 |
| 39 | 70 | 42 |
| 40 | 71 | 41 |
| 41 | 72 | 40 |
| 42 | 73 | 39 |
| 43 | 74 | 38 |
| 44 | 75 | 37 |
| 45 | 76 | 36 |
| 46 | 77 | 35 |
| 47 | 78 | 34 |
| 48 | 79 | 33 |
| 49 | 80 | 32 |
| 50 | 81 | 31 |
| 51 | 82 | 30 |
| 52 | 83 | 29 |
| 53 | 84 | 28 |
| 54 | 85 | 27 |
| 55 | 86 | 26 |
| 56 | 87 | 25 |
| 57 | 88 | 24 |
| 58 | 89 | 23 |
| 59 | 90 | 22 |
| 60 | 91 | 21 |
| 61 | 92 | 20 |
| 62 | 93 | 19 |
| 63 | 94 | 18 |
| 64 | 95 | 17 |
| 65 | 96 | 16 |
| 66 | 97 | 15 |
| 67 | 98 | 14 |
| 68 | 99 | 13 |
| 69 | 100 | 12 |
| 70 | 101 | 11 |
| 71 | 102 | 10 |
| 72 | 103 | 9 |
| 73 | 104 | 8 |
|  |  |  |


| 74 | 105 | 7 |
| :---: | :---: | :---: |
| 75 | 106 | 6 |
| 76 | 107 | 5 |
| 77 | 108 | 4 |
| 78 | 109 | 3 |
| 79 | 110 | 2 |
| 80 | 111 | 1 |
| 81 | 112 | 0 |

Table 2
Sequential increase and decrease of NVF value 2

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 33 | 79 |
| 1 | 33 | 79 |
| 2 | 35 | 77 |
| 3 | 37 | 75 |
| 4 | 39 | 73 |
| 5 | 41 | 71 |
| 6 | 43 | 69 |
| 7 | 45 | 67 |
| 8 | 47 | 65 |
| 9 | 49 | 63 |
| 10 | 51 | 61 |
| 11 | 53 | 59 |
| 12 | 55 | 57 |
| 13 | 57 | 55 |
| 14 | 59 | 53 |
| 15 | 61 | 51 |
| 16 | 63 | 49 |
| 17 | 65 | 47 |
| 18 | 67 | 45 |
| 19 | 69 | 43 |
| 20 | 71 | 41 |
| 21 | 73 | 39 |
| 22 | 75 | 37 |
| 23 | 77 | 35 |
| 24 | 79 | 33 |


| 25 | 81 | 31 |
| :---: | :---: | :---: |
| 26 | 83 | 29 |
| 27 | 85 | 27 |
| 28 | 87 | 25 |
| 29 | 89 | 23 |
| 30 | 91 | 21 |
| 31 | 93 | 19 |
| 32 | 95 | 17 |
| 33 | 97 | 15 |
| 34 | 99 | 13 |
| 35 | 101 | 11 |
| 36 | 103 | 9 |
| 37 | 105 | 7 |
| 38 | 107 | 5 |
| 39 | 109 | 3 |
| 40 | 111 | 1 |
| 1 | 33 | 79 |
| 2 | 35 | 77 |
| 3 | 37 | 75 |
| 4 | 39 | 73 |
| 5 | 41 | 71 |
| 6 | 43 | 69 |
| 7 | 45 | 67 |
| 8 | 47 | 65 |
| 9 | 49 | 63 |
| 10 | 51 | 61 |
| 11 | 53 | 59 |
| 12 | 55 | 57 |
| 13 | 57 | 55 |
| 14 | 59 | 53 |
| 15 | 61 | 51 |
| 16 | 63 | 49 |
| 17 | 65 | 47 |
| 18 | 67 | 45 |
| 19 | 69 | 43 |
| 20 | 71 | 41 |
| 21 | 73 | 39 |
| 22 | 75 | 37 |
| 23 | 77 | 35 |
|  |  |  |


| 24 | 79 | 33 |
| :---: | :---: | :---: |
| 25 | 81 | 31 |
| 26 | 83 | 29 |
| 27 | 85 | 27 |
| 28 | 87 | 25 |
| 29 | 89 | 23 |
| 30 | 91 | 21 |
| 31 | 93 | 19 |
| 32 | 95 | 17 |
| 33 | 97 | 15 |
| 34 | 99 | 13 |
| 35 | 101 | 11 |
| 36 | 103 | 9 |
| 37 | 105 | 7 |
| 38 | 107 | 5 |
| 39 | 109 | 3 |
| 40 | 111 | 1 |

Table 3
Sequential increase and decrease of NVF value 3

| Sr. | Cube |  |
| :---: | :---: | :---: |
| 31 | Square |  |
| 81 |  |  |
| 1 | 34 | 78 |
| 1 | 34 | 78 |
| 2 | 37 | 75 |
| 3 | 40 | 72 |
| 4 | 43 | 69 |
| 5 | 46 | 66 |
| 6 | 49 | 63 |
| 7 | 52 | 60 |
| 8 | 55 | 57 |
| 9 | 58 | 54 |
| 10 | 61 | 51 |
| 11 | 64 | 48 |
| 12 | 67 | 45 |
| 13 | 70 | 42 |
| 14 | 73 | 39 |
| 15 | 76 | 36 |
| 16 | 79 | 33 |


| 17 | 82 | 30 |
| :---: | :---: | :---: |
| 18 | 85 | 27 |
| 19 | 88 | 24 |
| 20 | 91 | 21 |
| 21 | 94 | 18 |
| 22 | 97 | 15 |
| 23 | 100 | 12 |
| 24 | 103 | 9 |
| 25 | 106 | 6 |
| 26 | 109 | 3 |
| 27 | 112 | 0 |

Table 4
Sequential increase and decrease of NVF value 4

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 35 | 77 |
| 2 | 39 | 73 |
| 3 | 43 | 69 |
| 4 | 47 | 65 |
| 5 | 51 | 61 |
| 6 | 55 | 57 |
| 7 | 59 | 53 |
| 8 | 63 | 49 |
| 9 | 67 | 45 |
| 10 | 71 | 41 |
| 11 | 75 | 37 |
| 12 | 79 | 33 |
| 13 | 83 | 29 |
| 14 | 87 | 25 |
| 15 | 91 | 21 |
| 16 | 95 | 17 |
| 17 | 99 | 13 |
| 18 | 103 | 9 |
| 19 | 107 | 5 |
| 20 | 111 | 1 |

Table 5
Sequential increase and decrease of NVF value 5

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 36 | 76 |
| 2 | 41 | 71 |
| 3 | 46 | 66 |
| 4 | 51 | 61 |
| 5 | 56 | 56 |
| 6 | 61 | 51 |
| 7 | 66 | 46 |
| 8 | 71 | 41 |
| 9 | 76 | 36 |
| 10 | 81 | 31 |
| 11 | 86 | 26 |
| 12 | 91 | 21 |
| 13 | 96 | 16 |
| 14 | 101 | 11 |
| 15 | 106 | 6 |
| 16 | 111 | 1 |

Table 6
Sequential increase and decrease of NVF value 6

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 37 | 75 |
| 2 | 43 | 69 |
| 3 | 49 | 63 |
| 4 | 55 | 57 |
| 5 | 61 | 51 |
| 6 | 67 | 45 |
| 7 | 73 | 39 |
| 8 | 79 | 33 |
| 9 | 85 | 27 |
| 10 | 91 | 21 |
| 11 | 97 | 15 |
| 12 | 103 | 9 |


| 13 | 109 | 3 |
| :--- | :--- | :--- |

Table 7
Sequential increase and decrease of NVF value 7

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 38 | 74 |
| 2 | 45 | 68 |
| 3 | 52 | 62 |
| 4 | 59 | 56 |
| 5 | 66 | 50 |
| 6 | 73 | 44 |
| 7 | 80 | 38 |
| 8 | 87 | 32 |
| 9 | 94 | 26 |
| 10 | 101 | 20 |
| 11 | 108 | 14 |
| 12 | 115 | 8 |
| 13 | 122 | 2 |

Table 8
Sequential increase and decrease of NVF value 8

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 39 | 73 |
| 2 | 47 | 65 |
| 3 | 55 | 57 |
| 4 | 63 | 49 |
| 5 | 71 | 41 |
| 6 | 79 | 33 |
| 7 | 87 | 25 |
| 8 | 95 | 17 |
| 9 | 103 | 9 |
| 10 | 111 | 1 |

Table 9
Sequential increase and decrease of NVF value 9

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 40 | 72 |
| 2 | 49 | 63 |
| 3 | 58 | 54 |
| 4 | 67 | 45 |
| 5 | 76 | 36 |
| 6 | 85 | 27 |
| 7 | 94 | 18 |
| 8 | 103 | 9 |
| 9 | 112 | 0 |

Table 10
Sequential increase and decrease of NVF value 10

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 41 | 71 |
| 2 | 51 | 61 |
| 3 | 61 | 51 |
| 4 | 71 | 41 |
| 5 | 81 | 31 |
| 6 | 91 | 21 |
| 7 | 101 | 11 |
| 8 | 111 | 1 |

Table 11
Sequential increase and decrease of NVF value 11

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 42 | 70 |
| 2 | 53 | 59 |
| 3 | 64 | 48 |
| 4 | 75 | 37 |
| 5 | 86 | 26 |


| 6 | 97 | 15 |
| :---: | :---: | :---: |
| 7 | 108 | 4 |

Table 12
Sequential increase and decrease of NVF value 12

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 43 | 69 |
| 2 | 55 | 57 |
| 3 | 67 | 45 |
| 4 | 79 | 33 |
| 5 | 91 | 21 |
| 6 | 103 | 9 |

Table 13
Sequential increase and decrease of NVF value 13

| Sr. | Cube | Square <br> 31 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 44 | 68 |
| 2 | 57 | 55 |
| 3 | 70 | 42 |
| 4 | 83 | 29 |
| 5 | 96 | 16 |
| 6 | 109 | 3 |

Table 14
Sequential increase and decrease of NVF value 14

| Sr. | Cube |
| :---: | :---: | :---: |
| 31 |  | | Square |
| :---: |
| 81 |$|$| 1 | 45 | 67 |
| :---: | :---: | :---: |
| 2 | 59 | 53 |
| 3 | 73 | 39 |
| 4 | 87 | 25 |
| 5 | 101 | 11 |

Table 15
Sequential increase and decrease of NVF value 15

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 46 | 66 |
| 2 | 61 | 51 |
| 3 | 76 | 36 |
| 4 | 91 | 21 |
| 5 | 106 | 6 |

Table 16
Sequential increase and decrease of NVF value 16

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 47 | 65 |
| 2 | 63 | 49 |
| 3 | 79 | 33 |
| 4 | 95 | 17 |
| 5 | 111 | 1 |

Table 17
Sequential increase and decrease of NVF value 16

| Sr. | Cube |
| :---: | :---: | :---: |
| 31 | Square |
| 81 |  |$|$| 1 | 48 |
| :---: | :---: |
| 64 |  |
| 2 | 65 |
| 3 | 82 |
| 4 | 99 |

Table 18
Sequential increase and decrease of NVF value 18

| Sr. | Cube | Square |
| :---: | :---: | :---: |
| 31 | 81 |  |
| 1 | 49 | 63 |
| 2 | 67 | 45 |


| 3 | 85 | 27 |
| :---: | :---: | :---: |
| 4 | 103 | 9 |

Table 19
Sequential increase and decrease of NVF value 19

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 50 | 62 |
| 2 | 69 | 43 |
| 3 | 88 | 24 |
| 4 | 107 | 5 |

Table 20
Sequential increase and decrease of NVF value 20

| Sr. | Cube <br> 31 | Square <br> 81 |
| :---: | :---: | :---: |
| 1 | 51 | 61 |
| 2 | 69 | 43 |
| 3 | 88 | 24 |
| 4 | 107 | 5 |

ix

## let us attempt overview

1. This is an introductory course and gives birds eye view of pole star being of the features of 7 -space set up as origin of solar universe of 6 -space format.
2. Sun is of the features of expression format of 6 -space, while sky is of the expression format of 5 -space.
3. Earth is of solid dimensional format within creator's space, 4 -space of our existence phenomenon

## $\mathbf{x}$

## let us view 'Transition foundation'

Transition from present stage introductory course to advance stage course would require following steps

Reach at geometric formats of Devnagri alphabet and its individual letters

1. The original literature is in Sanskrit of Devnagri alphabet and as such reach at geometric formats of Devnagri alphabet and its individual letters would become a basic pre-requisite for reach to be original source.
2. Towards it, acquaintance with Devnagri script would be a first step to be followed by the geometric formats and values and features of their organization as alphabet format
ii
To be face to face with creator's space as the starting point for foundation
for transcendental domain
3. For a reach at the geometric formats, values and features of Devnagri alphabet and of its individual letters, one is to be face to face with the creator's space format for manifestation of transcendental domains
4. It is this manifestation format of transcendental domains within creator's space which shall be taking us to foundation of the Discipline of Vedic Mathematics, Science and Technology
iii
Manifestations and transcendence therefrom
5. The Discipline of Vedic Mathematics, Science and Technology begins with the manifestation and works out transcendence through manifestation
6. In this process, a reach form manifested transcendental domains to unmanifested transcendental domains shall be focusing upon the transcendental features of transcendental domains
7. These two fold features of transcendental domains, namely manifested transcendental domains and transcendental domains shall
be leading us to pure and applied values of manifested and transcendental features standing worked out by the Discipline of Vedic Mathematics, Science and Technology
iv
Self referral set ups
8. A step ahead of the transcendental domains are the self referral set ups whose foundations are established at the origin of transcendental domains
9. Vedic Mathematics, Science and Technology takes up till the origin of transcendental domains of Pursha format and beyond that are the attainments of pursha.
xi
Course step recapitulated

| Section | Parts | Chase steps | Week's start |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
| 1 | 1 | 1 | $15-11-2013$ |
| 2 | II | 2,3 | $22-11-2013$ |
|  | III | 4 to 6 | $29-11-2013$ |
| 3 | IV | 7 to 10 | $6-12-2013$ |
|  | V | 11 to 15 | $13-12-2013$ |
|  | VI | 16 to 21 | $20-12-2013$ |
| 4 | VII | 22 to 28 | $27-12-2013$ |
|  | VIII | 29 to 36 | $03-01-2014$ |
|  | IX | 37 to 45 | $10-01-2014$ |
|  | X | 46 to 55 | $17-01-2014$ |
| 5 | XI | 56 to 66 | $24-01-2014$ |
|  | XII | 67 to 78 | $31-01-2014$ |
|  | XIII | 79 to 84 | $07-02-2014$ |
|  | XIV | 86 to 91 | $14-02-2014$ |
|  | XV | 92 to 100 | $21-02-2014$ |
| 6 | XVI | Conclusion | $28-02-2014$ |

The chase steps

| Section | Chase <br> step | Part - 1 <br> Preliminary |
| :--- | :--- | :--- |
| 1 | 1 | PRELIMINARY GLIMPSE OF THE WAY <br> THE COURSE IS GOING TO UNFOLD ITSELF |
|  |  | Part - 2 |
|  |  | Transcendental domains |


| 3 | 18 | Hyper cube 6 |
| :---: | :---: | :---: |
| 3 | 19 | Split of sphere into a pair of hemisphere |
| 3 | 20 | Earth to Sun range |
| 3 | 21 | Real 6-space |
|  |  | $\text { PART - } 7$ <br> SHIV PURAN SOURCE SCRIPTURE |
| 4 | 22 | SAMHITA - 1 |
| 4 | 23 | SAMHITA - 2 |
| 4 | 24 | SAMHITA - 3 |
| 4 | 25 | SAMHITA - 4 |
| 4 | 26 | SAMHITA - 5 |
| 4 | 27 | SAMHITA - 6 |
| 4 | 28 | SAMHITA - 7 |
|  |  |  |
|  |  | $\begin{gathered} \text { PART }-8 \\ \text { PANCH AVARAN STOTRAM } \end{gathered}$ |
| 4 | 29 | STOTRAM ORGANIZATION |
| 4 | 30 | FIVE FOLD RANGE (2, 6, 10, 14, 18) |
| 4 | 31 | $\begin{aligned} & {[(2),(2,6),(2,6,10),(2,6,10,14)} \\ & \text { AND }(2,6,10,14,18) \end{aligned}$ |
| 4 | 32 | FEATURE OF FIRST AVARAN |
| 4 | 33 | FEATURE OF SECOND AVARAN |
| 4 | 34 | FEATURE OF THIRD AVARAN |
| 4 | 35 | FEATURE OF FOURTH AVARAN |
| 4 | 36 | FEATURE OF FIFTH AVARAN |
|  |  |  |
|  |  | $\text { Part - } 9$ <br> Two fold transcendence from base |
| 4 | 37 | $(5,9)$ |
| 4 | 38 | $(5,8)$ |
| 4 | 39 | $(5,7)$ |
| 4 | 40 | $(5,6)$ |
| 4 | 41 | $(5,5)$ |
| 4 | 42 | $(5,4)$ |
| 4 | 43 | $(5,3)$ |
| 4 | 44 | $(5,2)$ |


| 4 | 45 | $(5,1)$ |
| :---: | :---: | :---: |
|  |  | $\text { Part - } 10$ <br> Sahastranam Stotram (Shalokas 1 to 40) |
| 4 | 46 | Shalokas 1 to 4 |
| 4 | 47 | Shalokas 5 to 8 |
| 4 | 48 | SHALOKAS 9 TO 12 |
| 4 | 49 | SHALOKAS 13 TO 16 |
| 4 | 50 | SHALOKAS 17 TO 20 |
| 4 | 51 | SHALOKAS 21 TO 24 |
| 4 | 52 | SHALOKAS 25 TO 28 |
| 4 | 53 | SHALOKAS 29 TO 32 |
| 4 | 54 | SHALOKAS 33 TO 36 |
| 4 | 55 | SHALOKAS 37 TO 40 |
|  |  |  |
| 5 | 56 | SHALOKAS 41 TO 44 |
| 5 | 57 | SHALOKAS 45 TO 48 |
| 5 | 58 | SHALOKAS 49 TO 52 |
| 5 | 59 | SHALOKAS 53 TO 56 |
| 5 | 60 | SHALOKAS 57 TO 60 |
| 5 | 61 | SHALOKAS 61 TO 64 |
| 5 | 62 | SHALOKAS 65 TO 68 |
| 5 | 63 | SHALOKAS 69 TO 72 |
| 5 | 64 | SHALOKAS 73 TO 76 |
| 5 | 65 | SHALOKAS 77 TO 80 |
| 5 | 66 | SHALOKAS 81 TO 84 |
|  |  | $\text { Part - } 12$ <br> Sahastranam Stotram (Shalokas 85 to 132) |
| 5 | 67 | SHALOKAS 85 TO 88 |
| 5 | 68 | SHALOKAS 89 TO 92 |
| 5 | 69 | SHALOKAS 93 TO 96 |


| 5 | 70 | SHALOKAS 97 TO 100 |
| :---: | :---: | :---: |
| 5 | 71 | SHALOKAS 101 TO 104 |
| 5 | 72 | SHALOKAS 105 TO 108 |
| 5 | 73 | SHALOKAS 109 TO 112 |
| 5 | 74 | SHALOKAS 113 TO 116 |
| 5 | 75 | SHALOKAS 117 TO 120 |
| 5 | 76 | SHALOKAS 121 TO 124 |
| 5 | 77 | SHALOKAS 125 TO 128 |
| 5 | 78 | SHALOKAS 129 TO 132 |
|  |  |  |
|  |  | $\begin{gathered} \text { Part - } 13 \\ \text { Organization of Vedas } \end{gathered}$ |
| 5 | 79 | VEDAS |
| 5 | 80 | UPVEDAS |
| 5 | 81 | RIGVED |
| 5 | 82 | YAJURVED |
| 5 | 83 | SAMVED |
| 5 | 84 | ATHARAVVED |
|  |  |  |
|  |  | $\text { Part - } 14$ <br> Artifice 14 |
| 5 | 85 | SELF REFERRAL BOUNDARY OF 14 <br> COMPONENTS  |
| 5 | 86 | HYPER CUBE 7 |
| 5 | 87 | 14 MAHESHWARA SUTRAS |
| 5 | 88 | 14 VIDESHWAR MANTRAS |
| 5 | 89 | 14 BHUWAN |
| 5 | 90 | 14 MANU |
|  |  |  |
|  |  | $\begin{gathered} \text { PART - } 15 \\ \text { UNITY STATE } \end{gathered}$ |
| 5 | 91 | UNITY STATE OF LINEAR ORDER |
| 5 | 92 | UNITY STATE OF SPATIAL ORDER |
| 5 | 93 | UNITY STATE OF SOLID ORDER |
| 5 | 94 | UNITY STATE OF HYPER SOLID ORDER - 4 |
| 5 | 95 | UNITY STATE OF HYPER SOLID ORDER - 5 |
| 5 | 96 | UNITY STATE OF HYPER SOLID ORDER - 6 |


| 5 | 97 | UNITY STATE OF HYPER SOLID ORDER - 7 |
| :--- | :--- | :--- |
| 5 | 98 | UNITY STATE OF HYPER SOLID ORDER - 8 |
| 5 | 99 | UNITY STATE OF HYPER SOLID ORDER - 9 |
|  | 100 | Par Braham |
|  |  | Part -16 <br> Conclusion |
| 6 | 101 | Chase steps conclusions |

xii

## Blissful exercises

i. Make your own dictionary
ii. Express about concepts
iii. Find time to evaluate one's comprehensions
iv. Share insight
v. Enlist exercises
vi. Pose hurdles
vii. Tabulate indicators
viii. Teach
ix. Learn while teaching
x. Attempt text book
xi. Explore further
xii. Appreciate pure values
xiii. Have an eye upon applied values
xiv. Chase existence within human frame
xv. Chase existence beyond human frame

Built VMS \& T Classroom instructions methodology

1. Every participant shall be expected to makes one's own dictionary of technical / conceptual terms and features thereof. The same may be on the following lines :

## i. Bindu Sarover

Bindu Sarover accepts simple English rendering as a point reservoir of structures. It as such is a structured point. It is in terms of the features of structures of the dimensional bodies that the points of the bodies get distinguish.
ii. Ardh Matra

Ardh Matra accepts simple English rendering as 'half measure'. It is parallel to number ' $1 / 2$ '. Still further it is parallel to 'half artifice' / 'half dimension'. In terms of it, the mathematics of ' 2 as 1 ' and ' 1 as 2 ' are worked out. Also in terms of it, spatial order (2-space in the role of dimension) permits a chase within dimensional frames of half dimensions.

## iii. Tripundum

Conceptually 'Tripundum' is of the features of domain fold, as third fold (of the manifestation layer) emerges as a synthesis of pair of dimensions.
iv. Swastik pada

Conceptually 'Swastik Pada' is of the features of the frame of quarter 'square' of the square. Swastik as a set up of four quarters is of the format of features of Spatial dimensions of 4space.
v. This above enlistment is to be uptodated with the progress of the course.
2. Further it would be of good help to the participants that they shall start making their own topical write ups on the lines, as is here given about the conceptual topic 'Axis':

## AXIS

The formulation AXIS is of NVF (Axis) $=53=$ NVF (Machine). The formulation Machine avails sequential NVF values (i) $\mathrm{M}=13 \mathrm{~A}=1 \mathrm{C}=3, \mathrm{H}=8, \mathrm{I}=9 \mathrm{~N}=14, \mathrm{E}=5$. Artifice 13 takes us to 13 edged cube is of the features of spatial order set up of hyper cube 4 . With it $13^{\text {th }}$ edge takes spatial format. This, this way will add additional axis for the $13^{\text {th }}$ edge. This addition shall be taking us to second stage (second letter) $\mathrm{A}=1$.

The value $1^{1}=2^{0}$. It as such shall be taking us from zero dimensional order to linear order. It works out the transition from $\mathrm{A}=1$ to $\mathrm{C}=3$. Ahead $\mathrm{C}=3$ as 3 -space / cube takes us to

8 octants cut $/$ artifice $8=\mathrm{H}$. It is still further it takes to 9 points fixation for the cube and accordingly is attained the stage $\mathrm{I}=9$. This set up makes the geometric envelope of the cube stitched as 8 corner points and 6 surfaces as 14 components and parallel to it is $\mathrm{n}=14$ phase and stage of the formulation. The geometric envelope free cube as eight sub cubes take to set up of hyper cube 4 within solid boundary of 8 components and 5 space as origin fold and parallel to it emerging the final stage of the formulation namely $\mathrm{E}=5$.

1. Up to date and organize your dictionary under following heads
i. VMS \& T
ii. 5-space (domain)
iii. Artifice 5
iv. Triloki,
v. Trimurti
vi. Pole Star
vii. Manifestation
viii. Transcendence
ix. Self Referral state
x. Unity State
xi. Five orbitals
xii. One thousand names
xiii. Sun
xiv. Existence within human frame
xv. Existence beyond human frame
xvi. Brahman unity
xiii
Let us be through the course again Step by step starting with the first step itself

# Vedice Mathematics, Sciemee \& Techmology counrse 

PART - I PRELIMINARY
Chase Step - 01
PRELIMINARY GLIMPSE OF THE WAY THE COURSE IS GOING TO UNFOLD ITSELF

I
Overview of Scope and Aim of the course
3. This is an Introductory Course of Ancient Wisdom Discipline of Vedic Mathematics, Science and Technology (In short VMS \& T).
4. VMS \& T has its roots in transcendental domains (5-space content manifesting as domain fold of hyper cube 5 in 4 -space)
5. VMS \& T aims to read Vedas written on the rays of Sun (which avails for its 'role of dimension fold' of hyper cube 8 in 4 -space.
6. This course as such shall be restricting itself uptill the chase along the format of hyper cube 5 to lay foundation for chase ahead for Advance Course to reach for chase along the format of hyper cube 8 .

## II <br> Preliminary information

7. Basic values and formats to be availed in this course, amongst others, are going to be as under :
i. Number 5
ii. Ten place value system
iii. 5-space
iv. Hyper cube 5
v. Manifestation layer (3, 4, 5, 6)
vi. Transcendence Range ( $3,4,5,6,7$ )
vii. 5 -space content as domain fold
viii. Pentagon format
ix. Synthesise of dimensions
x. Different roles of 5-space
xi. Number value formats for English alphabet letters
xii. Transcendental code values for Devnagri alphabet letters
8. Basic symbols parallel to conceptual terms and dimensional formats, which may be referred and availed are going to be:

| Sr. | Term | Value / (Symbol) | Space | Body |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | Triloki | 3 (4) | 3-space | Hyper cube-3 |
| 2 | Brahma | 4 (骂) | 4-space | Hyper cube-4 |
| 3 | Shiv | 5 (f) | 5-space | Hyper cube-5 |
| 4 | Vishnu | $6(\vec{*})$ ) | 6-space | Hyper cube-6 |
| 5 | Manifestation (four folds) | 4 (呂) | 4-space | Hyper cube-4 |
| 6 | Transcendence (five folds) | 5 (f) | 4-space | Hyper cube-4 |
| 7 | Self referral (six folds) | $6(>\ll)$ | 6-space | Hyper cube-6 |
| 8 | Unity (seven folds) | 7 ( ${ }_{\text {( }}$ ) | 7-space | Hyper cube-7 |
| 9 | Nature (eight folds) |  | 8 -space | Hyper cube-8 |
| 10 | Braham (nine folds) |  | 9-space | Hyper cube-9 |

9. Every participant shall be expected to makes one's own dictionary of technical / conceptual terms and features thereof. The same may be on the following lines :

## vi. Bindu Sarover

Bindu Sarover accepts simple English rendering as a point reservoir of structures. It as such is a structured point. It is in
terms of the features of structures of the dimensional bodies that the points of the bodies get distinguish.
vii. Ardh Matra

Ardh Matra accepts simple English rendering as 'half measure'. It is parallel to number ' $1 / 2$ '. Still further it is parallel to 'half artifice' / 'half dimension'. In terms of it, the mathematics of ' 2 as 1 ' and ' 1 as 2 ' are worked out. Also in terms of it, spatial order (2-space in the role of dimension) permits a chase within dimensional frames of half dimensions.

## viii. Tripundum

Conceptually 'Tripundum' is of the features of domain fold, as third fold (of the manifestation layer) emerges as a synthesis of pair of dimensions.
ix. Swastik pada

Conceptually 'Swastik Pada' is of the features of the frame of quarter 'square' of the square. Swastik as a set up of four quarters is of the format of features of Spatial dimensions of 4space.
x. This above enlistment is to be uptodated with the progress of the course.
10. Further it would be of good help to the participants that they shall start making their own topical write ups on the lines, as is here given about the conceptual topic 'Axis':

## AXIS

The formulation AXIS is of NVF (Axis) = $53=$ NVF (Machine). The formulation Machine avails sequential NVF values (i) $\mathrm{M}=13 \mathrm{~A}=1 \mathrm{C}=3, \mathrm{H}=8, \mathrm{I}=9 \mathrm{~N}=14, \mathrm{E}=5$. Artifice 13 takes us to 13 edged cube is of the features of spatial order set up of hyper cube 4 . With it $13^{\text {th }}$ edge takes spatial format. This, this way will add additional axis for the
$13^{\text {th }}$ edge. This addition shall be taking us to second stage (second letter) $\mathrm{A}=1$.

The value $1^{1}=2^{0}$. It as such shall be taking us from zero dimensional order to linear order. It works out the transition from $\mathrm{A}=1$ to $\mathrm{C}=3$. Ahead $\mathrm{C}=3$ as 3 -space / cube takes us to 8 octants cut / artifice $8=\mathrm{H}$. It is still further it takes to 9 points fixation for the cube and accordingly is attained the stage $\mathrm{I}=9$. This set up makes the geometric envelope of the cube stitched as 8 corner points and 6 surfaces as 14 components and parallel to it is $\mathrm{n}=14$ phase and stage of the formulation. The geometric envelope free cube as eight sub cubes take to set up of hyper cube 4 within solid boundary of 8 components and 5 space as origin fold and parallel to it emerging the final stage of the formulation namely $\mathrm{E}=5$.
11. Still further, it would be blissful for the participants to make their own chase attempts to reach at the values and features of different formats like the demonstration here under:

## "Location of 5-space

1. Point as 0 -space body moves and tracks 1 -space format.
2. Line as 1 -space body moves and tracks surface (2-space format).
3. Surface as 2 -space body moves and tracks solids 3 -space format
4. Solids as 3 -space body tracks hyper solid 4 (4-space format)
5. Hyper solid 4 a 4 -space body moves and tracks 5 -space format.
6. Hyper solid 5 is a 5 -space body.
7. It is this degree of freedom of motion which manifests an additional dimension for the body in motion. The degree of freedom of motion of a point manifests 1 -space format, a
degree of freedom of motion for a line manifests an additional dimension for 1 -space set up and leads to 2 -space format. And like that it would be blissful to reach at 5 -space format and to comprehend set ups of 5 -space bodies."

## III <br> VMS \& T Space chase: Progress with Preliminary caution

10. English vocabulary avails 26 letters alphabet of number values formats of value range of artifices 1 to 26 .
a. $\quad$ NVF (English) $=74=$ NVF (Pairing), that way becomes the basic features of chase of words formulation (as formulation) artifice (74) accepts reflection pairing with artifice 47.
b. This reflection pair $(47,74)$ with summation value 121 provides us insight about pairing feature, firstly as that organization is availing format of a line / interval which permits approach from either end to the middle and uptill other end. It distinguishes orientations.
c. Further 4 x 4 format as below, along its fourth column in its pair of orientations shall be taking us from artifice 4 to artifice 7 , and other way around it shall be taking us from artifice 7 to artifice 4 .

| 1 | 2 | 3 | 4 |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
| 2 | 3 | 4 | 5 |
| 3 | 4 | 5 | 6 |
| 4 | 5 | 6 | 7 |

11. As such while chasing English Language with NVF (English language $)=$ NVF (Pairing Joint), all these features will come into play, these are the manifestation features of four folds parallel to the values of quadruple consecutive artifices like $(4,5,6,7)$ and in general being ( $\mathrm{n}, \mathrm{n}+1, \mathrm{n}+2, \mathrm{n}+3$ )
12. Vedic systems as Sanskrit language with Devnagri alphabet works out 'Shabad' as 'Sutra' as per transcendental code values with
focus, which shall be upon transcendence from domain fold to its dimension of dimension fold shall be self referral.
12.1 It as such becomes of a pair of phases of firstly having transcendence from manifestations and then a step ahead of transcendence becoming self referral
13. The English language formulation (words composition), that way take us from manifestation to transcendence as a distinct step and transcendence to self referral as well being a distinct steps
13.1 While on the other hand Sanskrit Sutras simultaneously take up 'manifestation to transcendence to self referral transcendence'

### 13.2 And this distinction need be kept in mind as a precaution while VMS \& $T$ values are being chased as presently, in English language

14. Illustratively NVF (Mathematics) $=$ NVF (Square) + NVF (Cube).
14.1 Square and cube simultaneously mark their presence in the set up of a cube.
14.2 Cube as hyper cube 3 is a manifestation layer with 2 -space in the role of boundary and 3 -space being in the role of domain.
14.3 Further as that 2 -space is the representative regular body of 2 space while cube is the representative regular body of 3 -space.
14.4 And simultaneously square is hyper cube 2 while cube is hyper cube 3 as well.
15. The summation value $2+3=5$ and multiplication value $2 \times 3$ $=6$, as such would require an appropriate system to handle both values pair $(5,6)$ simultaneously.
15.1 First perfect number $6=1 \times 2 \times 3=1+2+3$ as these feature but only because here triple artifices are coming into play.
15.2 $\operatorname{NVF}($ monad, monad $)=$ NVF (trimonad) and NVF (linear) $=$ NVF (solid) = NVF (Third) would help us focus upon the formulation values of this systems of 26 letters alphabet.
15.3 However when we shall be shifting to 4 -space as spatial order set up in the role of boundary and 5 -space as solid order set up in the role of domain, we shall be reaching a system in terms of features of hyper cube 5 .
15.4 Amongst others, 9 geometries of 4 -space and 11 geometries of 5space would help construct $9 \times 11$ format for chase of ten place value system being availed by VMS \& T.
15.5 For its chase of space as नभ: Nab. Transcendental code values $(\mathrm{TCV})$ नभ $=8+1,8+1=99$
16. Artifice 99 is a self reflecting artifice as much as that it accepts same value digit at its both places. It is the biggest double digit number of ten place values systems all the double digit number of ten place value system get organized along and as $9 \times 11$ format as under

| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 | 08 | 09 |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |  |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |  |
| 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 |  |
| 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 |  |
| 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 |  |
| 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 60 | 61 | 62 |  |
| 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 |  |
| 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 |  |
| 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 |  |
| 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 |

17. Ten place value system and like that in general $n$ place value system shall be constituting sequential values path organized as $\mathrm{n}^{0}$, $\mathrm{n}^{0}+\mathrm{n}^{1}, \mathrm{n}^{0}+\mathrm{n}^{1}+\mathrm{n}^{2},---$.
18. The constituents of these sequential values steps are $\left(n^{0}, n^{1}, n^{2}, n^{3}\right)$. This sequence of constituent is availing the format of
the set ups of 0 dimension, 1 dimension, 2 dimensions, 3 dimensions, 4 dimensions and so on.

## IV

Glimpse of VMS \& T results:
19. Vedic Mathematics, Science and Technology has settled dimensional synthesise values mathematics which leads us to the following spectrum (same would be taken up in the course for its wide range of pure and applied values):

Here C1 column tabulates the values of single dimension of the space.
Here C2 column tabulates the values of two dimension of the space.
Here C3 column tabulates the values of three dimension of the space.
Here C 4 column tabulates the values of four dimension of the space. Here C5 column tabulates the values of five dimension of the space. Here C6 column tabulates the values of six dimension of the space.
Here C7 column tabulates the values of seven dimension of the space.
Here C8 column tabulates the values of eight dimension of the space.
Here C9 column tabulates the values of nine dimension of the space.

$$
\begin{array}{lllllllll}
\text { C1 } & \text { C2 } & \text { C3 } & \text { C4 } & \text { C5 } & \text { C6 } & \text { C7 } & \text { C8 } & \text { C9 } \\
---------------------------------------------------------11 ~ \\
-9 & -7 & 6 & 30 & 65 & 111 & 168 & 226 & 315 \\
-8 & -6 & 6 & 28 & 60 & 102 & 154 & 206 & 288 \\
-7 & -5 & 6 & 26 & 55 & 93 & 140 & 196 & 261 \\
-6 & -4 & 6 & 24 & 50 & 84 & 126 & 176 & 234 \\
-5 & -3 & 6 & 22 & 45 & 75 & 112 & 156 & 207 \\
-4 & -2 & 6 & 20 & 40 & 66 & 98 & 136 & 180 \\
-3 & -1 & 6 & 18 & 35 & 57 & 84 & 116 & 153 \\
-2 & 0 & 6 & 16 & 30 & 48 & 70 & 96 & 126 \\
-1 & 1 & 6 & 14 & 25 & 39 & 56 & 76 & 99 \\
0 & 2 & 6 & 12 & 20 & 30 & 42 & 56 & 72 \\
---------------------------------------------------14 \\
-1 & -1 & 0 & +2 & +5 & +9 & +14 & +20 & +27 \\
+1 & +1 & 0 & -2 & -5 & -9 & -14 & -20 & -27
\end{array}
$$

| 1 | 3 | 6 | 10 | 15 | 21 | 28 | 36 | 45 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2 | 4 | 6 | 8 | 10 | 12 | 14 | 16 | 18 |
| 3 | 5 | 6 | 6 | 5 | 3 | 0 | -4 | -9 |
| 4 | 6 | 6 | 4 | 0 | -6 | -14 | -24 | -36 |
| 5 | 7 | 6 | 2 | -5 | -15 | -28 | -44 | -63 |
| 6 | 8 | 6 | 0 | -10 | -24 | -42 | -64 | -90 |
| 7 | 9 | 6 | -2 | -15 | -33 | -56 | -84 | -117 |
| 8 | 10 | 6 | -4 | -20 | -42 | -70 | -104 | -141 |
| 9 | 11 | 6 | -6 | -25 | -51 | -84 | -124 | -168 |

20. Let us have a pause here for a while and revisit and to take note that addition, multiplication operations together with reflection operation which shall be making reverse of addition and multiplication operations namely subtraction and division operation are independent operations and that the synthesis mathematics and that the dimensional synthesis also avails refraction operation.
20.1 And further symmetric super impositions features of addition and multiplication operations shall be taking to set ups of 2 as 1 and 3 as 1 and so on.
20.2 And their reverses 1 as 2,1 as 3 and so on shall be leading to organization formats which shall be helping work out applied values of transcendence through manifestations.
20.3 And further for transcendence to be self referral transcendence like triple $(1,3,5)$, accepting parallel to it triple $(2,4,6)$ and so on along hyper cube 5 format.
20.4 And parallel to it along 5-space, artifice $5 / 5 \times 5$ format transiting and transforming into value $5 \times 5 \times 5$.
20.5 And in general the $\mathrm{n} \times \mathrm{n}$ format transiting and transforming for acceptance of $\mathrm{nxn} \mathrm{\times n}$ values.
21. The above features and other values of above operations shall be taken up in detail in this course.

Dr. S. K. Kapoor****

